सांध्य दैनिक
शनिवार
वर्षः 19 अंक : 219
14 नवम्बर 2026
पृष्ठ : 8
मूल्य 1.00 रूपये प्रति
प्रकाशन स्थल-देहरादून
RNI NO- UTTHIN/2008/25027
वेबसाईट - www.devpath.in
E-mail: devpath2018@gmail.com

डीएवीपी एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त

देवपथ

पैनी नज़र तीखी जुबां गहरा असर

मुख्यमंत्री धामी ने किया 74वें राजकीय औद्योगिक विकास एवं सांस्कृतिक गौचर मेले का शुभारंभ



देहरादून, 14 नवंबर (नि०स०)। गौचर में शनिवार को 74वें राजकीय औद्योगिक विकास एवं सांस्कृतिक गौचर मेले का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधिवत पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलित कर सात दिवसीय मेले का उद्घाटन किया। गौचर पहुंचने पर मुख्यमंत्री का बैंड की मधुर धुनों, पुष्पमालाओं एवं पारंपरिक तरीके से भव्य स्वागत और अभिनंदन किया गया। मुख्यमंत्री ने सर्वप्रथम मेले के संस्थापक स्वर्गीय गोविन्द प्रसाद नौटियाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर स्थानीय विद्यालयों की छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम में लोक संस्कृति के विविध रंग बिखेरे। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने मुख्यमंत्री को गौचर मेले का शुभंकर भेंट कर उनका स्वागत किया।

मेले का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि गौचर मेला केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि उत्तराखंड की ऐतिहासिक विरासत, समृद्ध व्यापारिक परंपरा और विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान का जीवंत प्रतीक है। वर्ष 1943 में स्थानीय व्यापारियों, समाजसेवियों और तत्कालीन प्रशासन के सहयोग से भोटिया व्यापार मेले के रूप में इसकी शुरुआत हुई थी। उस समय गौचर भारत-तिब्बत व्यापार का एक महत्वपूर्ण केंद्र था, जहां ऊन, पश्मीना, जड़ी-बूटियों सहित विभिन्न स्थानीय उत्पादों का व्यापार होता था। समय के साथ इस मेले ने अपने स्वरूप का विस्तार किया और आज यह औद्योगिक एवं सांस्कृतिक मेले के रूप में प्रदेश ही नहीं, बल्कि देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौचर मेला स्थानीय व्यापारियों, कारीगरों, छोटे उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं विपणन का महत्वपूर्ण मंच उपलब्ध कराता है। यह मेला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' के संकल्प को धरातल पर उतारने का सशक्त माध्यम है। मेले हमारी लोक संस्कृति, लोक कला और पारंपरिक विरासत को संरक्षित करने के साथ ही समाज को आपस में जोड़ने का कार्य करते हैं। पीढ़ियों से चली आ रही इन परंपराओं को सहेजना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी का साझा दायित्व है।

मुख्यमंत्री ने चमोली जनपद की महत्ता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भगवान बद्री विशाल की तपस्थली, मां नंदा का मायका और विश्वविख्यात चिपको आंदोलन की जन्मभूमि है। यहां की वीर भूमि ने देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अनेक वीर सपूत दिए हैं, जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में सीमांत गांवों को देश के अंतिम गांव के बजाय प्रथम गांव के रूप में विकसित करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। सीमांत क्षेत्रों का विकास, वहां आधारभूत सुविधाओं का विस्तार और स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में सुधार सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

गौचर मेला उत्तराखंड की ऐतिहासिक विरासत, समृद्ध व्यापारिक परंपरा और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार का प्रयास है कि युवाओं को अपने ही गांव और क्षेत्र में रोजगार एवं स्वरोजगार के पर्याप्त अवसर मिलें। कृषि, बागवानी, पशुपालन, पर्यटन और हस्तशिल्प जैसी गतिविधियों के माध्यम से उनकी आय में वृद्धि हो, ताकि उन्हें रोजगार के लिए मजबूरी में अपने घर और गांव से पलायन न करना पड़े। इसी उद्देश्य से राज्य सरकार पर्यटन नीति, होमस्टे नीति, फिल्म नीति और सौर स्वरोजगार योजना सहित विभिन्न रोजगारपरक योजनाओं को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ा रही है।उन्होंने कहा कि चमोली का ऊनी हस्तशिल्प, यहां की दालें, राजमा, मंडुवा, झंगोरा, शहद और जड़ी-बूटियां केवल स्थानीय बाजारों तक सीमित न रहें, बल्कि देश-दुनिया के बड़े बाजारों तक पहुंचें, इसके लिए 'हाउस ऑफ हिमालयाज' ब्रांड की शुरुआत की गई है। इस ब्रांड का कारोबार अब तक छह करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुका है। यह उपलब्धि केवल कारोबार का आंकड़ा नहीं, बल्कि प्रदेश की मातृशक्ति की मेहनत, आत्मविश्वास और आर्थिक आत्मनिर्भरता की प्रेरक कहानी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार चमोली जनपद के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। चारधाम सड़क परियोजना के माध्यम से बद्रीनाथ धाम तक सड़क संपर्क को बेहतर बनाया जा रहा है। वहीं, ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना पर भी तेजी से कार्य चल रहा है। इस परियोजना के पूर्ण होने से पूरे क्षेत्र की कनेक्टिविटी, पर्यटन गतिविधियों और स्थानीय आर्थिकी को नई गति मिलेगी।

देहरादून सहस्त्रधारा रोड के स्पा सेंटर में चल रहे देह व्यापार का पर्दाफाश



दून के पॉश इलाके में स्पा की आड़ में खेल: सहस्त्रधारा रोड पर पकड़ा गया सेक्स रैकेट

राजधानी : स्पा की आड़ में चल रहे काले कारोबार का खुलासा

देहरादून, 14 नवंबर (नि०स०)। राजधानी के पॉश इलाके में अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दून पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। सहस्त्रधारा रोड पर टचवुड स्कूल के पास संचालित हो रहे एक स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे देह व्यापार के काले कारोबार का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने मौके से महिला संचालक को गिरफ्तार किया है। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट और थाना रायपुर पुलिस की संयुक्त टीम को मुखबिर से मिली सटीक सूचना के बाद यह औचक छापेमारी की गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया है। गुप्त सूचना मिलने के बाद उच्चाधिकारियों के निर्देश पर एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट और रायपुर थाना पुलिस ने सनराइज स्पा सेंटर पर अचानक दबिश दी। पुलिस टीम जब अंदर दाखिल हुई तो वहां हड़कंप मच गया। जांच के दौरान स्पा सेंटर के एक कमरे में एक महिला और एक पुरुष आपत्तिजनक स्थिति में मिले। पूछताछ और तलाशी में यह साफ हो गया कि वहां वेलनेस की आड़ में अवैध गतिविधियां संचालित हो रही थीं। पुलिस ने मौके से देह व्यापार चला रही मुख्य संचालिका वकिला (निवासी माजरा, देहरादून) को तुरंत हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री और देह व्यापार से कमाए गए 3,740 रुपये नकद भी बरामद किए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस स्पा सेंटर में आने वाले ग्राहकों को नॉर्मल थेरेपी के बजाय 'स्पेशल सर्विस' का लालच दिया जाता था। आड़ के तौर पर स्पा का बोर्ड लगाकर अंदर अनैतिक गतिविधियों का नेटवर्क चलाया जा रहा था। एसएसपी देहरादून प्रमेंद्र सिंह डोभाल के सख्त निर्देशों के बाद से ही जिले के सभी थानों और एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट को ऐसे संदिग्ध सेंटर्स पर नजर रखने के निर्देश दिए गए थे। स्थानीय लोगों की शिकायतों और मुखबिर की सूचना को पुख्ता करने के बाद पुलिस ने इस ठिकाने पर शिकंजा कसा। पुलिस अब यह भी खंगाल रही है कि इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोग या संचालक पर्दे के पीछे कौन-कौन हैं। गिरफ्तार की गई अभियुक्ता वकिला के खिलाफ थाना रायपुर में अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम, 1956 की गंभीर धाराओं (3, 4, 5 और 7) के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दून घाटी में इस तरह के अवैध स्पा सेंटर्स और होटलों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा ताकि शहर की कानून-व्यवस्था और सामाजिक माहौल को सुरक्षित रखा जा सके। पकड़ी गई महिला को न्यायालय में पेश करने की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, साथ ही स्पा सेंटर के कागजातों और मालिक की भी गहनता से जांच की जा रही है।

शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत 'ज्ञान गौरव सम्मान' से सम्मानित

देहरादून, 14 नवंबर (नि०स०)। सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत को मुंबई में 'ज्ञान गौरव सम्मान' से नवाजा गया। नवी मुंबई में उत्तरांचल महासंघ, मुंबई की ओर से आयोजित भव्य समारोह में महासंघ के पदाधिकारियों ने डॉ. रावत को यह सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर महासंघ ने प्रदेश में शिक्षा के विस्तार, साक्षरता को जन-आंदोलन का स्वरूप देने तथा विद्यालयी शिक्षा में किए गए नवाचारों और सुधारात्मक प्रयासों की सराहना की। इसके अलावा गढ़वाल भ्रातृ मंडल के तत्वावधान में महाराष्ट्र की विभिन्न प्रमुख उत्तराखंडी संस्थाओं ने भी डॉ. रावत का अभिनंदन किया। समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखंड का पूर्ण साक्षर राज्य बनना प्रदेश के लिए गौरव और ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह सफलता राज्य सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति, शिक्षकों के अथक परिश्रम, विद्यार्थियों की सहभागिता और आम जनमानस की जागरूकता एवं सामूहिक प्रयासों का प्रतिफल है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय प्रदेश की जनता, शिक्षकों, विद्यार्थियों और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने वाले सभी लोगों को दिया। डॉ. रावत ने कहा कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य है, जिसने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को सबसे पहले लागू कर शिक्षा सुधारों की दिशा में अग्रणी पहल की। प्रदेश में विद्यालयी शिक्षा को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए विद्या समीक्षा केंद्र की स्थापना की गई है। इसके माध्यम से शिक्षकों, छात्र-छात्राओं और शैक्षणिक गतिविधियों की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है। समीक्षा केंद्र से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण शिक्षा व्यवस्था की कमियों को पहचानने, प्रभावी रणनीति तैयार करने और नई नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में वर्तमान में औसतन प्रत्येक 15 विद्यार्थियों पर एक शिक्षक उपलब्ध है। छात्र-शिक्षक अनुपात की यह स्थिति राज्य की सुदृढ़ शैक्षणिक व्यवस्था को दर्शाती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार के निरंतर प्रयासों से प्रदेश शीघ्र ही सकल नामांकन अनुपात (GER) में शत-प्रतिशत का लक्ष्य हासिल करेगा, जो विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि होगी।



जेनेराली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस की नई सौगात, हियर नाउ और वेवर ऑफ प्रीमियम राइडर के ज़रिए सपनों और हक़ीकत का अनोखा संगम



देहरादून (नि०स०)। जेनेराली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस ने अपने राष्ट्रीय ब्रांड अभियान हियर नाउ. लॉन्च किया है।बच्चों के भविष्य की योजना और सेवानिवृत्ति की तैयारियों पर बल देने वाला यह अभियान, ब्रांड के 'अपने बिंदास सपनों के लिए बड़ा सोचो' के विचार को हक़ीकत में बदलता है। जेनेराली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस, वैश्विक बीमा अग्रणी जेनेराली और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का एक संयुक्त उद्यम है, जो अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञता और स्थानीय बैंकिंग की विरासत का एक अद्भुत मेल है।कंपनी ने कुछ खास बेस प्लान पर 'वेवर ऑफ प्रीमियम राइडर' लॉन्च किया है। यह राइडर विशेष रूप से दीर्घकालिक योजनाओं में निरंतरता बनाए रखने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, जिसमें राइडर की शर्तों, नियमों, अपवादों और पात्रता आवश्यकताओं में बताई गई कुछ खास परिस्थितियों के घटित होने पर आपको भविष्य के प्रीमियम की छूट मिलती है, जबकि पॉलिसी के लाभ पहले की तरह ही बने रहते हैं। यह उत्पाद एक 'प्योर-रिस्क प्रीमियम राइडर' के रूप में उपलब्ध है और दुर्घटना के कारण सम्पूर्ण और स्थायी विकलांगता, कोई गंभीर बीमारी (जो बीमा के तहत कवर की गई हो), और जहाँ लागू हो, पॉलिसीधारक की मृत्यु होने के मामले में ग्राहक भविष्य के प्रीमियम से छूट पाने का विकल्प चुन सकते हैं। दीर्घकालिक योजनाओं को आकस्मिक आने वाली बाधाओं से सुरक्षित रखकर, यह राइडर ग्राहकों को यह भरोसा दिलाता है कि आज वे जिन लक्ष्यों को पाने के लिए काम कर रहे हैं, उन्हें भविष्य में भी बरकरार रखा जा सकता है। आलोक रुंगटा, एमडी और सीईओ, जेनेराली सेंट्रल लाइफ इंश्योरेंस, ने कहा, ' अपनी इस नई पहल के जरिए, हम ग्राहकों को अपने भविष्य की दिशा में एक सार्थक कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। साथ ही, हम एक भरोसेमंद 'आजीवन सहयोगी' बने रहने के अपने वादे को भी दोहराते हैं। जेनेराली की वैश्विक विशेषज्ञता और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की भरोसेमंद विरासत के साथ, हम जीवन बीमा को अधिक सरल, उपयोगी और सुलभ बनाने के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे।

संस्कृति, आस्था और मनोरंजन के रंगों से सजेगा श्रीनगर का बैकुंठ चतुर्दशी मेला, 23 नवंबर से होगा भव्य आगाज

श्रीनगर गढ़वाल। आस्था, परंपरा, लोक संस्कृति और मनोरंजन का अनूठा संगम एक बार फिर श्रीनगर की धरती पर सजने जा रहा है। ऐतिहासिक एवं पौराणिक बैकुंठ चतुर्दशी मेला-2026 का शुभारंभ 23 नवंबर से होगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मेले का विधिवत शुभारंभ करेंगे। इस बार नगर निगम ने मेले को भव्य और आकर्षक स्वरूप देने के साथ ही उत्तराखंड की लोक संस्कृति, पारंपरिक विरासत, खेल प्रतिभाओं और स्थानीय कलाकारों को विशेष मंच देने की पहल की है। महापौर आरती भंडारी ने मेले के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की सूची जारी करते हुए बताया कि इस वर्ष मेले में कई नए आकर्षण देखने को मिलेंगे। महापौर आरती भंडारी ने कहा कि बैकुंठ चतुर्दशी मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि श्रीनगर की सांस्कृतिक पहचान और गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है। इस वर्ष मेले को और अधिक भव्य बनाने के लिए नगर निगम ने व्यापक तैयारियां की हैं। स्थानीय परंपराओं के साथ आधुनिक आकर्षणों को भी शामिल किया गया है, ताकि हर आयु वर्ग के लोगों को मेले में अपनी रुचि के अनुरूप कार्यक्रम देखने और उनमें भाग लेने का अवसर मिले। उन्होंने बताया कि इस बार कमलेश्वर महादेव मंदिर के साथ ही शहर के प्रमुख मंदिरों को भी आकर्षक ढंग से सजाया जाएगा। मेले में स्थानीय और उत्तराखंड के कलाकारों को प्राथमिकता देते हुए मंच प्रदान किया गया है। साथ ही, पुरानी वीर गाथाओं को सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से पुनर्जीवित करने और श्रीनगर में खेल गतिविधियों को नई पहचान देने का प्रयास किया गया है।

मातृशक्ति का मुद्दा खेल की पिच नही, आदर और सम्मान का गंभीर विषय: चौहान

देहरादून (नि०स०)। भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कांग्रेस नेता हरक सिंह रावत के बयान पर करारा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा महिलाओं के सम्मान को खेल नही मानती, बल्कि उनकी भावनाओं का आदर कर उन्हे न्याय दिलाने के लिए सदैव तत्पर रही है। उन्होंने एक महिला के मुद्दे पर हरक की पिच पर खेलने जैसे बयान की कड़ी आलोचना की है। चौहान ने कहा कि किसी भी महिला उत्पीड़न के विषय को राजनैतिक हास्य का विषय बनाना सर्वथा अनैतिक ही माना जायेगा। उन्होंने सवाल किया कि आखिर कांग्रेस चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अपनी पिच पर भाजपा के खेलने से खुद को बड़ा खिलाडी बताकर क्या साबित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आरोप पीड़ित महिला के हैं तो कानून अपना कार्य करेगा, लेकिन इसमें राजनीति बताकर भाजपा पर तोहमत लगाने का क्या औचित्य है। चौहान ने कहा कि कांग्रेस विकास के मुद्दों पर राजनीति के बजाय दुष्प्रचार की राजनीति मे लगी है और इससे उसके स्तर का साफ पता लगता है। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री हरक सिंह को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पर आरोप लगाने से पहले अपने राजनीतिक जीवन का हिसाब देना चाहिए। विवादों मे घिरे रहना और नैतिकता और महिला सम्मान के स्वयंभू पैरोकार बनकर घूमना एक साथ नही चल सकते। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की राजनीति का स्तर इतना गिर चुका है कि उसके नेता अपने ऊपर उठे सवालों का जवाब देने के बजाय दूसरों पर कीचड़ उछालकर अपनी जिम्मेदारी से बचना चाहते हैं।



मुख्यमंत्री ने किया ऐतिहासिक जौलजीबी मेले का शुभारंभ, 102.72 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की दी सौगात

देहरादून (नि०स०)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को जनपद पिथौरागढ़ के सीमांत क्षेत्र में काली एवं गोरी नदियों के संगम पर आयोजित ऐतिहासिक जौलजीबी मेले का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जनपद को 102.72 करोड़ रुपये की 25 विकास योजनाओं की सौगात दी। इनमें 102.48 करोड़ रुपये की 24 योजनाओं का शिलान्यास तथा 24 लाख रुपये की एक योजना का लोकार्पण शामिल है। मुख्यमंत्री ने जौलजीबी मेले के आयोजन के लिए 10 लाख रुपये की धनराशि देने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐतिहासिक जौलजीबी मेला भारत और नेपाल की साझा सांस्कृतिक विरासत, आपसी सौहार्द और व्यापारिक संबंधों का जीवंत प्रतीक है। यह मेला सदियों से दोनों देशों के लोगों को सांस्कृतिक और सामाजिक रूप से जोड़ने का कार्य करता आ रहा है। भारत, नेपाल और तिब्बत के बीच व्यापारिक एवं सांस्कृतिक संबंधों के इतिहास में इस मेले का विशेष स्थान रहा है। उन्होंने कहा कि जौलजीबी मेला सीमांत क्षेत्र की समृद्ध परंपराओं और लोकसंस्कृति को संरक्षित रखने के साथ ही दोनों देशों के नागरिकों के बीच आत्मीय संबंधों को और मजबूत करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जौलजीबी मेले से उनका बचपन से विशेष लगाव रहा है। उन्होंने यहां की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और स्थानीय रीति-रिवाजों को निकट से देखा है। ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक पहचान को जीवंत बनाए रखने के साथ ही नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि लोक कलाकारों, स्थानीय उत्पादों और पारंपरिक व्यवसायों को प्रोत्साहन देने में भी इस प्रकार के मेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है।



मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड की भूमि हमारे पूर्वजों के त्याग, परिश्रम और संघर्ष की अमूल्य विरासत है। इस विरासत का संरक्षण और प्रदेश का समग्र विकास हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार उत्तराखण्ड के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक बताया है। इस संकल्प को साकार करने के लिए सरकार विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने के साथ ही प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमांत क्षेत्रों का विकास राज्य सरकार की विशेष प्राथमिकता है। इन क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीमांत क्षेत्रों में प्राकृतिक सौंदर्य, साहसिक पर्यटन और समृद्ध लोकसंस्कृति के माध्यम से स्थानीय युवाओं के लिए स्वरोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। सरकार का प्रयास है कि दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होने के साथ ही स्थानीय स्तर पर आजीविका के नए अवसर भी प्राप्त हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन विकास योजनाओं से जनपद में आधारभूत सुविधाओं को मजबूती मिलने के साथ ही सीमांत और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को नई गति मिलेगी। विशेष रूप से सड़क संपर्क, पेयजल आपूर्ति, आपदा सुरक्षा और पर्यटन सुविधाओं के विस्तार से स्थानीय लोगों को लाभ मिलेगा।

सौरभ मैठाणी के 'मैं पहाड़ों कु रैबासी' जैसे गीतों पर झूम उठे दर्शक, स्वदेशी महोत्सव में लोक संस्कृति की दिखी शानदार झलक

देहरादून (नि०स०)। रेंजर्स ग्राउंड में स्मृति विकास संस्थान की ओर से आयोजित दस दिवसीय स्वदेशी महोत्सव (उत्तराखंड विकास प्रदर्शनी) के दूसरे दिन शनिवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। कार्यक्रम में उत्तराखंड के प्रसिद्ध लोक गायक सौरभ मैठाणी की विशेष प्रस्तुति मुख्य आकर्षण रही। उनके लोकप्रिय गढ़वाली गीतों की प्रस्तुति पर दर्शक झूम उठे और पूरा परिसर लोक संस्कृति के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम में उत्तराखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व राज्य मंत्री राजकुमार पुरोहित एवं सामाजिक कार्यकर्ता संजय बिश्नोई ने शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी अंजना वालिया ने की। मुख्य अतिथि डॉ. गीता खन्ना ने कहा कि बच्चों के अधिकारों का संरक्षण, उनकी शिक्षा, सुरक्षा और बेहतर भविष्य सुनिश्चित करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। बच्चों को अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता दिखाने के लिए इस तरह के मंच उपलब्ध कराना सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि स्थानीय संस्कृति, परंपराओं और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने वाले आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का भी काम करते हैं।

उत्तरकाशी में मिनी सरस आजीविका मेले का समापन, महिलाओं ने बेचे 4.50 लाख से अधिक के उत्पाद

उत्तरकाशी (नि०स०)। जनपद मुख्यालय के रामलीला मैदान में आयोजित चार दिवसीय मिनी सरस आजीविका मेला-2026 का गुरुवार को गरिमामय समापन हुआ। समापन समारोह में गंगोत्री विधायक सुरेश चौहान, जिलाधिकारी प्रशांत आर्य, औषधि पादप बोर्ड के राज्यमंत्री प्रताप पंवार, मुख्य विकास अधिकारी सहित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। समारोह में विकासखंड मोरी की महिलाओं ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। गंगा-यमुना एफपीओ की ओर से आयोजित लकी ड्रॉ



व स्थानीय बीज-भूषा पर आधारित फैशन शो आकर्षण का केंद्र रहा। फैशन शो में प्रथम तीन स्थान प्राप्त महिलाओं को सम्मानित किया गया। मेले में स्वयं सहायता समूहों व क्लस्टर लेवल फेडरेशन की महिलाओं ने 4.50 लाख रुपये से अधिक के स्थानीय व पारंपरिक उत्पादों का विपणन कर अपनी उद्यमशीलता का परिचय दिया। उत्कृष्ट विपणन के लिए गंगोत्री सीएलएफ झाला को प्रथम, प्रगति सीएलएफ डुण्डा को द्वितीय तथा रामासेराई सीएलएफ गुंदियाटगांव, पुरोला को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। तीनों को प्रशस्ति पत्र व मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

इसके अलावा मेले में प्रतिभाग करने वाले सभी विकासखंडों के सीएलएफ व विभिन्न विभागों को भी उत्तराखण्ड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की ओर से प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न प्रदान किए गए।

उत्तराखंड सरकार के खिलाफ कांग्रेस का हल्ला बोल, 26 नवंबर को राजभवन कूच करेगी पार्टी

देहरादून (नि०स०)। उत्तराखंड में सत्ताधारी भाजपा सरकार के खिलाफ मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने अपना मोर्चा और तेज कर दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के आह्वान पर मुख्यमंत्री और मंत्रियों के कथित भ्रष्टाचार के विरोध में चल रहे हस्ताक्षर अभियान को अब बूथ स्तर तक ले जाने का फैसला किया गया है। पार्टी ने इस अभियान के समापन और राजभवन कूच के कार्यक्रम की तारीख में भी बड़ा बदलाव किया है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार यह आयोजन 23 नवंबर को होना था, लेकिन अब इसे संशोधित कर 26 नवंबर 2026 कर दिया गया है। इस दिन प्रदेशभर के कांग्रेसी राजधानी देहरादून में जुटकर शक्ति प्रदर्शन करेंगे और राज्यपाल को जनता के हस्ताक्षरयुक्त दस्तावेज सौंपेंगे। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव संगठन राजेंद्र सिंह भंडारी ने इस संबंध में पार्टी पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेशभर में चल रहे इस अभियान को जनता का समर्थन मिल रहा है, जिसे देखते हुए इसे अब मंडलम और बूथ स्तर तक विस्तारित किया गया है। दरअसल, कांग्रेस संगठन की योजना इस मुद्दे को गांव-गांव और हर बूथ तक पहुंचाने की है। इसके तहत प्रदेश के सभी जिला, महानगर और ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्षों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सघन अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करें। यह अभियान पूरे प्रदेश में 22 नवंबर 2026 तक चलाया जाएगा। संगठन की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, अभियान के दौरान एकत्रित किए गए सभी हस्ताक्षरयुक्त दस्तावेज और बैनर 23 नवंबर 2026 तक अनिवार्य रूप से देहरादून स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में जमा कराने होंगे। इसके बाद 26 नवंबर को मुख्य कार्यक्रम आयोजित होगा। असल में, कांग्रेस इस कार्यक्रम के जरिए राजधानी में अपनी एकजुटता दिखाने की तैयारी में है। तय कार्यक्रम के मुताबिक 26 नवंबर की सुबह 10 बजे प्रदेशभर के कांग्रेस कार्यकर्ता देहरादून के राजीव भवन (कांग्रेस भवन) में एकत्रित होंगे। इसके बाद उत्तराखंड कांग्रेस प्रभारी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी शैलजा, प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल और अन्य वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व में एक विशाल रैली निकाली जाएगी।

महाराष्ट्र : मंत्री संजय शिरसाट के छत्रपति संभाजीनगर स्थित घर पर हमले की कोशिश, तीन आरोपी गिरफ्तार

छत्रपति संभाजीनगर । महाराष्ट्र के सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट के गोलवाड़ी इलाके में स्थित घर के बाहर गुरुवार देर रात हमले की कोशिश की गई। बताया जा रहा है कि नशे में धुत तीन युवकों ने हंगामा किया, शराब की बोतलें तोड़ीं और सुरक्षाकर्मियों से भी भिड़ गए। सतारा पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनसे पूछताछ शुरू कर दी है। इस घटना के बारे में खुद मंत्री शिरसाट ने रात में एक वीडियो जारी कर इसकी जानकारी दी थी। शिरसाट के मुताबिक, यह घटना रात 10:30 बजे से 11:00 बजे के बीच हुई। नशे में धुत तीन युवकों ने बंगले के पास हंगामा किया। जब सुरक्षा कर्मियों ने बीच-बचाव किया, तो कहा जा रहा है कि युवकों ने घर की तरफ बोतलें फेंकीं। शिरसाट ने कहा कि पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। उनके मुताबिक, पहले तो लड़के अपनी गाड़ी से गिर गए, फिर मौके से चले गए और फिर मेन गेट पर लौट आए। जब गार्ड्स ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो संदिग्धों ने कथित तौर पर उन्हें धमकाने की कोशिश की। शुरुआती रिपोर्ट्स में बताया गया था कि दो सिक्योरिटी गार्ड्स घायल हुए थे, लेकिन बाद में मंत्री शिरसाट ने साफ किया कि किसी को भी गंभीर चोट नहीं आई, हालांकि उनकी पार्टी के एक कार्यकर्ता को हल्की चोट आई और उसे मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए भेजा गया। मंत्री के घर पर यह दूसरी ऐसी घटना है। इससे पहले, एक लड़का चाकू लेकर उनके घर तक पहुंच गया था।

छठ पर्व पर घर जाने वाले यात्रियों के लिए रेलवे का मेगा प्लान, 214 स्पेशल ट्रेनों के लगेंगे 2044 फेरे

गोरखपुर । सूर्य उपासना के महापर्व छठ को लेकर घर लौटने वाले यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए पूर्वोत्तर रेलवे ने व्यापक तैयारियां की हैं। छठ पर्व पर लाखों की संख्या में लोग अपने घरों का रुख कर रहे हैं। ऐसे में यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने और सफर को सुविधाजनक बनाने के लिए रेलवे ने 214 स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। इन ट्रेनों के कुल 2044 फेरे लगाए जाएंगे। इसके अलावा रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्यालय गोरखपुर जंक्शन पर दूरदराज से आने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए चार वेंडिंग जोन बनाए गए हैं। इन जोन में यात्रियों के बैठने और विश्राम करने की व्यवस्था की गई है। साथ ही अनारक्षित टिकट काउंटर, कूलर और निशुल्क पेयजल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि यात्रियों को ट्रेन के इंतजार में प्लेटफॉर्म पर भीड़ के बीच परेशान न होना पड़े। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के जवानों को चप्पे-चप्पे पर तैनात किया गया है। बिहार पुलिस की टीम भी सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग कर रही है। इसके अलावा स्टेशन परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से यात्रियों और संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) सुमित कुमार ने बताया कि रोजगार के सिलसिले में दूसरे शहरों में रहने वाले लोग छठ महापर्व पर बड़ी संख्या में अपने घर लौटते हैं। छठ लोगों की आस्था से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। इसी को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष तैयारियां की हैं। रेलवे की कोशिश है कि प्रत्येक यात्री सुरक्षित और समय पर अपने गंतव्य तक पहुंच सके।

दिल्ली-नोएडा-गाजियाबाद की हवा जहरीली, कई इलाकों में एक्यूआई 500 के पार

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में प्रदूषण ने एक बार फिर से भयावह रूप धारण कर लिया है। पूरा एनसीआर अब एक गैस चैंबर में तब्दील हो चुका है, जहां सांस लेना दूभर हो गया है। दिल्ली के साथ-साथ नोएडा और गाजियाबाद के कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 500 के खतरनाक स्तर के बेहद करीब पहुंच गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, सुबह के समय वातावरण में स्मॉग (धुंध और धुएं का मिश्रण) की मोटी चादर ने विजिबिलिटी (दृश्यता) को काफी कम कर दिया है। ताजा मौसम रिपोर्ट के मुताबिक, 13 से 18 नवंबर तक राजधानी में घना कोहरा और स्मॉग छाया रहेगा। दिन का तापमान 26 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है, जबकि सुबह के वक्त ह्यूमिडिटी 95 प्रतिशत तक पहुंच रही है। हवा में नमी और प्रदूषकों के जमा होने से आने वाले दिनों में समस्या और बढ़ने की आशंका है। वायु प्रदूषण के आंकड़ों पर नजर डालें तो स्थिति बेहद डरावनी है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली के 59 में से 58 मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एक्यूआई गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया है। दिल्ली में सबसे खराब हालात चांदनी चौक के हैं, जहां एक्यूआई 480 तक पहुंच गया है।

इसके अलावा बुराड़ी क्रॉसिंग में 459, मथुरा रोड पर 457, कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 451, आया नगर में 433 और डीटीयू में 443 एक्यूआई दर्ज किया गया है। आनंद विहार (418), बवाना (416), अशोक विहार (405) और बदरपुर (405) जैसे इलाके भी जहरीली हवा की चपेट में हैं। द्वारका सेक्टर-8 (366) और घुम्मनहेरा (351) में भी हवा की गुणवत्ता बेहद खराब बनी हुई है।

एनसीआर के अन्य शहरों की बात करें तो नोएडा की स्थिति भी दिल्ली से बेहतर नहीं है। नोएडा के 7 स्टेशनों में से सेक्टर-62 में एक्यूआई 474 दर्ज किया गया है, जो सीवियर प्लस श्रेणी में आता है। सेक्टर-116 में 402, सेक्टर-125 में 353 और सेक्टर-1 में 335 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया है। वहीं, गाजियाबाद की हवा भी जहर घोल रही है। यहां इंदिरापुरम में एक्यूआई 432, वसुंधरा में 405, न्यू तहसील-लोनी में 398, वेव सिटी में 396 और संजय नगर में 391 दर्ज किया गया है। अन्य इलाकों में लोनी (385), वेद विहार-लोनी (345) और गोविंदपुरम (253) में भी प्रदूषण का स्तर चिंताजनक बना हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि ठंड बढ़ने के साथ ही हवा की गति धीमी होने और प्रदूषकों के नीचे बैठने की वजह से यह स्थिति उत्पन्न हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक सुबह के समय कोहरा और स्मॉग जारी रहेगा, जिससे आने वाले दिनों में लोगों की दिक्कतें और बढ़ सकती हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिया बेंगलुरु में प्रशांत कुटीरम के स्वर्ण जयंती समारोह में हिस्सा



बेंगलुरु (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बेंगलुरु में प्रशांत कुटीरम के स्वर्ण जयंती समारोह में हिस्सा लिया। उन्होंने प्रशांत कुटीरम के कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कर्नाटक की धरती सदियों से योग का केंद्र रही है। योग से जुड़े कितने ही आचार्यों और विद्वानों ने यहां जन्म लिया है और योग की परंपरा को समृद्ध भी किया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मुझे योग की असाधारण ऊर्जा का अनुभव करने का अवसर मिला है। कर्नाटक सदियों से योग का केंद्र रहा है। यहां कई जाने-माने योग गुरुओं और विद्वानों का जन्म हुआ, जिन्होंने इस प्राचीन परंपरा को समृद्ध किया। प्रधानमंत्री ने कहा, प्रशांति कुटीरम में जो शुरुआत हुई थी, वह अब योग शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान बन गई है। योग के साथ-साथ, आपने आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान को मिलाकर एक समग्र वेलनेस इकोसिस्टम भी विकसित किया है। तनाव से जुड़ी चुनौतियों और जीवनशैली से होने वाली बीमारियों जैसे क्षेत्रों में किए गए शोध ने दुनिया भर के लोगों की मदद की है। मैं इन उल्लेखनीय प्रयासों के लिए प्रशांति कुटीरम की सराहना करता हूं। उन्होंने एचवी शेषाद्रि को याद करते हुए कहा, प्रशांति कुटीरम की स्वर्ण जयंती के साथ ही इस वर्ष हम एचवी शेषाद्रि की जन्मशताब्दी भी मना रहे हैं। मैं उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। शेषाद्रि जी ने अपना पूरा जीवन 'व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण' के मिशन को आगे बढ़ाने में लगाया। शेषाद्रि जी के बारे में एक और बात है, जिसे मैं कभी नहीं भूल सकता। वे अक्सर कहा करते थे, जब हम समाज को अपनी दोनों आंखों से देखते हैं, तो समाज भी हमें लाखों आंखों से देखता है। पीएम मोदी ने कहा, मैंने अपने जीवन में कई बार ऐसा होते देखा है। लोगों की सेवा करते हुए, मुझे हमेशा उनका आशीर्वाद और स्नेह मिला है। यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी निधियों में से एक है। सेवा की यही भावना हमें शेषाद्रि जी के परिवार में भी देखने को मिलती है।

इस दौरान, पीएम मोदी ने कन्नड़ फिल्मों के दिग्गज अभिनेता डॉ. राजकुमार की भी सराहना की। उन्होंने कहा, राजकुमार भी कर्नाटक की धरती के उन अनेक योग प्रेमियों में से एक थे, जिन्होंने कला की दुनिया और योग साधना, दोनों में अपना योगदान दिया। कर्नाटक की समृद्ध विरासत के बीच, शांति कुटीरम की 50 वर्षों की यात्रा सेवा और समर्पण की एक ऐसी असाधारण और अभूतपूर्व कहानी है, जिसके बारे में हर भारतीय को पता होना चाहिए।

स्वामी विवेकानंद को याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा, जब देश गुलामी की बेड़ियों में जकड़ा हुआ था तब एक ओर लाखों स्वतंत्रता सेनानी, आजादी की लड़ाई लड़ रहे थे, तो दूसरी ओर स्वामी विवेकानंद जैसे राष्ट्र ऋषि भी थे जिन्होंने भारत की आध्यात्मिक चेतना को जागृत किया। भारत के युवाओं को योग का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत, अपनी संस्कृति, अपनी पहचान और अपने ज्ञान-विज्ञान को पूरे आत्मविश्वास के साथ दुनिया के सामने रख रहा है। इसी का परिणाम है कि भारत की पहल पर अब पूरा विश्व अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में योगासन को प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में भी मान्यता दी गई है। खेलो इंडिया और नेशनल गेम्स जैसे आयोजनों में भी योगासन के लिए नई जगह बनी है। ये बदलाव भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इससे योग से जुड़े लोगों के लिए प्रतिस्पर्धी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के भी रास्ते खुल गए हैं। पीएम मोदी ने कहा, ऐसा लगता है कि योग भारत को जानने का एक प्रवेश द्वार बन चुका है। मैंने देखा है कि विदेशी नागरिक जैसे कतर की रॉयल फैमिली और अन्य भी जो योग के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं, ऐसे अनेक लोगों को भारत में पद्मश्री से सम्मानित करके उनका गौरव भी बढ़ाने का काम हुआ है।

किसानों की मांग के मुताबिक गन्ने के भाव 600 रुपये प्रति कुंतल घोषित करे सरकार : भूपेन्द्र हुड्डा



चंडीगढ़ (आरएनएस)। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति क्विंटल करने की किसानों की मांग को पूरी तरह जायज बताते हुए कहा कि कुछ ही महीने पहले 45 रुपये प्रति किलो बिकने वाली चीनी आज खुले बाजार में 65 से 70 प्रति किलो (44त्न-55त्न वृद्धि) पर बिक रही है लेकिन चीनी का रेट बढ़ने के बावजूद किसानों को उसका कोई फायदा नहीं मिल रहा है। सरकार की गलत नीतियों के चलते जमाखोर और कालाबाजारी करने वाले इसका फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गन्ने का भाव 415 से 430 प्रति क्विंटल यानी मात्र 15 प्रति क्विंटल यानी केवल 3त्न बढ़ाना किसानों के साथ क्रूर मज़ाक है। हुड्डा ने किसानों की मांग के मुताबिक गन्ने के भाव में वृद्धि करने की मांग की। उन्होंने कहा कि हरियाणा के गन्ना उत्पादक किसान गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग को लेकर सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं। किसानों का कहना है कि राज्य सरकार की ओर से घोषित कीमतें खेती की लगातार बढ़ती लागत को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार की किसान विरोधी नीतियों और बढ़ती महंगाई ने किसानों की कमर तोड़ दी है। डीजल, खाद, बीज, कृषि उपकरण आदि महंगे होने से खेती की लागत बढ़ गयी। किसान की आमदनी बढ़ने की बजाय घट गयी है। डीजल का भाव दोगुना हो गया। खाद के कट्टे का भाव दोगुना हो गया। बाजार में खाद्यान्नों की कीमत रोज नये रिकार्ड बना रही है, लेकिन किसानों को उनकी उपज का लागत भाव भी नहीं मिल रहा है। हुड्डा ने कहा कि 2004 में जब हरियाणा में कांग्रेस सरकार बनी उस समय गन्ने का भाव 117 से बढ़ाकर 310 किया, जो 165त्न बढ़ोतरी थी और देश में सबसे ज्यादा थी। पिछले 12.5 साल में बीजेपी सरकार ने गन्ने का भाव 310 से केवल 415 किया है। हमारे समय गन्ने के भाव में हर साल 17त्न बढ़ोतरी होती थी लेकिन बीजेपी सरकार मात्र 3त्न भाव ही बढ़ा रही है। हमारी सरकार के दौरान किसानों से गन्ना खरीद के साथ तुरंत भुगतान सुनिश्चित किया जाता था। उन्होंने आगे कहा कि एक तरफ हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी चुनावी राज्य पंजाब जाकर वहाँ किसानों का हमदर्द होने का दिखावा कर रहे हैं और किसानों का वोट लेने के लिए बड़े-बड़े वादे कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ वे हरियाणा के किसानों को उनकी उपज का वाजिब हक देने में पूरी तरह फेल साबित हो रहे हैं। जिससे हरियाणा का किसान खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। हुड्डा ने कहा कि सरकार का मकसद किसानों को उनकी मेहनत का वाजिब दाम न देकर सिर्फ चंद उद्योगपतियों की तिजोरी भरना रह गया है।

सम्पादकीय

प्रतिरोध पर उतरना ही एकमात्र रास्ता

जब मूलभूत प्रश्न राजनीतिक दलों के लिए महत्त्वपूर्ण नहीं रहते और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं जन समस्याओं का समय पर समाधान नहीं कर पातीं, तो जाहिर है, लोगों को प्रतिरोध पर उतरना ही एकमात्र रास्ता नजर आता है। सड़कों पर उतरे असंतोष की चपेट में आने वाला सबसे नया देश इंडोनेशिया बना है। इससे पहले फ्रांस से लेकर अर्जेंटीना और इटली से लेकर ट्यूनिशिया तक में छात्र और युवाओं ने सड़कों पर उतर कर वहां मौजूद हालात पर अपना विरोध जताया है। इस सिलसिले में यह वाजिब राय बनी है कि दुनिया के अलग-अलग कोनों से जन प्रदर्शनों और आंदोलनों की आ रही तस्वीरें दरअसल एक बड़े वैश्विक संकट और बढ़ते जा रहे युवा असंतोष की ओर इशारा करती हैं। यूरोप के समृद्ध देशों में भी बढ़ती महंगाई शिक्षा के गिरते स्तर से असंतुष्ट नौजवान सड़कों पर उतरने को मजबूर हुए हैं। लगभग हर जगह वे संस्थानों से निष्पक्षता, पारदर्शिता, और अपने लिए बेहतर भविष्य की मांग कर रहे हैं। फ्रांस में स्कूलों की खराब स्थिति, बेल्जियम, ग्रीस और अर्जेंटीना में उच्च शिक्षा बजट में कटौती, और स्पेन एवं पुर्तगाल में मकान किराये में बेलगाम बढ़ोतरी ने नौजवानों में गुस्सा भड़काया है। अल्बानिया में छात्रों ने भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया है और शिक्षा सुधारों की मांग कर रहे हैं, जबकि ट्यूनिशिया में आर्थिक तंगी के साथ-साथ लोकतांत्रिक अधिकारों और सिकुड़ती गई स्वतंत्रताओं को लेकर गहरा आक्रोश है। इंडोनेशिया में महंगाई ने नौजवानों को सड़क पर आने के लिए विवश किया है। स्पष्ट है कि ये आंदोलन छिटपुट घटनाएं नहीं हैं, बल्कि वर्तमान आर्थिक और संस्थागत ढांचों के प्रति नई पीढ़ी में गहराए अविश्वास का परिणाम हैं। नव-उदारवाद के दौर में दुनिया भर में शिक्षा के व्यापारीकरण हुआ है, वहीं मकान, बिजली, और रोजगार के अवसर आदि युवाओं की पहुंच से दूर होते जा रहे हैं। जब मूलभूत प्रश्न राजनीतिक दलों के लिए महत्त्वपूर्ण नहीं रह जाते और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं लोगों की समस्याओं का समय पर समाधान नहीं कर पातीं, तो जाहिर है, लोगों को प्रतिरोध पर उतरना ही एकमात्र रास्ता नजर आता है। अत: आंसू गैस, वॉटर कैनन, या धर-पकड़ जैसे बल प्रयोग से जन आक्रोश को दबाने का तरीका अस्थायी रूप से ही कारगर हो सकता है। सत्ताधारियों ने यह बात नहीं समझी, तो वे अधिक बड़ी उथल-पुथल को आमंत्रित करेंगे। और यह बात हर देश पर लागू होती है!

कण्वाश्रम, ताड़केश्वर और सिरासू को मिलेगा पर्यटन का नया स्वरूप, विकास कार्यों की रूपरेखा तैयार, ज़िलाधिकारी ने ली बैठक

पौड़ी श्रीनगर गढ़वाल । जनपद के प्रमुख धार्मिक, ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक पर्यटन स्थलों को नई पहचान देने की दिशा में जिला प्रशासन ने पहल शुरू की है। श्री भरत जन्मस्थली कण्वाश्रम, ताड़केश्वर मंदिर और यमकेश्वर विकासखंड के ग्राम सिरासू स्थित टूरिस्ट पार्क को बेहतर पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित करने के लिए जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में बैठक आयोजित की गई। इसमें तीनों स्थलों की विशिष्ट पहचान को संरक्षित रखते हुए सौंदर्यीकरण, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा की गई।



कण्वाश्रम के विकास को लेकर जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि यहां की पौराणिक कथाओं, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और धार्मिक महत्व को विकास योजना का प्रमुख आधार बनाया जाए, ताकि यहां आने वाले पर्यटकों को इस पावन स्थल की गौरवशाली विरासत से परिचित कराया जा सके। उन्होंने कण्वाश्रम के प्रस्तावित विकास कार्यों का थ्रीडी डिजाइन तैयार करने और पूरे परिसर को कलात्मक एवं आकर्षक स्वरूप देने को कहा।

बैठक में प्रस्तुतिकरण के माध्यम से बताया गया कि योजना के तहत कैनाल किनारे पहाड़ी पत्थर, बैठने के लिए बेंच, रास्तों का सुधारीकरण, आकर्षक साइनेज, सेल्फी प्वाइंट, सोलर लाइट, शौचालय एवं पेयजल सुविधा तथा प्रवेश द्वार का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इसके अलावा पुराने मंदिर और चौकीघाटा क्षेत्र में हट्स एवं घाट विकसित करने की संभावनाओं पर भी प्रस्ताव तैयार किया जाएगा। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी, जिला पर्यटन अधिकारी तथा सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता को संयुक्त स्थलीय निरीक्षण कर 20 नवंबर तक विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कण्वाश्रम को बेहतर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए स्थानीय नागरिकों एवं हितधारकों के सुझाव भी लिए गए।

बैठक में ताड़केश्वर मंदिर को धार्मिक पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में सुविधाओं के विस्तार एवं सौंदर्यीकरण पर विशेष जोर दिया गया। प्रस्तावित कार्यों में शौचालय एवं दीवारों की मरम्मत, भूमि कटाव प्रभावित स्थानों का सुधारीकरण, पैदल मार्ग का प्राकृतिक शैली में विकास, रेलिंग निर्माण, पेंटिंग तथा आकर्षक साइनेज शामिल हैं। मंदिर के प्रवेश द्वार को नया स्वरूप देने और लोहे की बेंच के स्थान पर लकड़ी की बेंच लगाने के निर्देश भी दिए गए। वाहन पार्किंग की समस्या के स्थायी समाधान के लिए भूमि हस्तांतरण का प्रस्ताव तैयार कर भेजने को कहा गया।

घटती प्रजनन दर और बदलती जनसंख्या नीति

जनसंख्या नियंत्रण नहीं, मानव विकास और भविष्य की तैयारी है समय की मांग

- डॉ. सत्यवान सौरभ



भारत की जनसंख्या लंबे समय तक सार्वजनिक नीतियों, राजनीतिक विमर्श और आर्थिक नियोजन का प्रमुख विषय रही है। बढ़ती आबादी को संसाधनों पर दबाव, बेरोजगारी, गरीबी और पर्यावरणीय संकट का कारण मानते हुए जनसंख्या नियंत्रण की मांग समय-समय पर उठती रही है। किंतु आज भारत एक ऐसे जनसांख्यिकीय परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, जहां बढ़ती जनसंख्या के बजाय घटती प्रजनन दर, वृद्ध होती आबादी और क्षेत्रीय असमानताएं नई चुनौतियों के रूप में सामने आ रही हैं। ऐसे में जनसंख्या नियंत्रण कानूनों की आवश्यकता पर पुनर्विचार करना समय की मांग है। भारत की कुल प्रजनन दर अर्थात टोटल फर्टिलिटी रेट (टीएफआर) लगभग 1.9 तक पहुंच चुकी है, जो जनसंख्या के स्थिर प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से कम है। इसका अर्थ है कि औसतन एक महिला अपने जीवनकाल में इतनी संतानों को जन्म नहीं दे रही, जिससे अगली पीढ़ी में जनसंख्या का स्वाभाविक प्रतिस्थापन हो सके। हालांकि भारत की कुल आबादी अभी बढ़ रही है, लेकिन इसके पीछे बड़ी युवा आबादी और जनसंख्या की संरचनात्मक गति का योगदान है। भविष्य में प्रजनन दर में लगातार गिरावट जनसंख्या वृद्धि की गति को धीमा कर सकती है और अंतत: आबादी के स्थिर होने अथवा घटने की स्थिति पैदा कर सकती है।

प्रजनन दर में गिरावट कोई अचानक घटित घटना नहीं है। शिक्षा का विस्तार, महिलाओं की सामाजिक स्थिति में सुधार, गर्भनिरोधक साधनों की उपलब्धता, शहरीकरण, विवाह की बढ़ती उम्र और परिवार के आकार के प्रति बदलती प्राथमिकताएं इसके प्रमुख कारण हैं। आज अधिकांश परिवार बच्चों की संख्या के बजाय उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता को अधिक महत्व देने लगे हैं। आर्थिक अनिश्चितता, आवास की बढ़ती लागत और बच्चों की परवरिश पर होने वाला खर्च भी छोटे परिवारों की प्रवृत्ति को मजबूत कर रहा है।

भारत की जनसंख्या में दूसरा महत्वपूर्ण परिवर्तन वृद्धावस्था की ओर बढ़ना है। आने वाले वर्षों में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों का अनुपात तेजी से बढ़ने की संभावना है। वर्ष 2036 तक वृद्धजन आबादी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास पहुंचने का अनुमान विभिन्न जनसंख्या अध्ययनों में व्यक्त किया गया है। यह परिवर्तन स्वास्थ्य सेवाओं, पेंशन व्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा और पारिवारिक देखभाल की नीतियों पर व्यापक प्रभाव डालेगा। जिस समाज में कभी बड़ी युवा आबादी को आर्थिक शक्ति माना जाता था, वहां भविष्य में वृद्धजनों की देखभाल और गरिमापूर्ण जीवन सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण सार्वजनिक दायित्व बन जाएगा।

जनसंख्या परिवर्तन का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू क्षेत्रीय असमानता है। दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में प्रजनन दर प्रतिस्थापन स्तर से काफी नीचे पहुंच चुकी है, जबकि उत्तर भारत के कुछ राज्यों में अपेक्षाकृत अधिक प्रजनन दर देखने को मिलती है। शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, महिलाओं की रोजगार भागीदारी और सामाजिक-आर्थिक विकास में अंतर इन विविधताओं के प्रमुख कारण हैं। इसलिए पूरे देश के लिए एक समान जनसंख्या नीति लागू करना व्यावहारिक दृष्टि से उचित नहीं होगा। जिन राज्यों में युवा आबादी अधिक है, वहां रोजगार, शिक्षा और कौशल विकास की आवश्यकता अधिक होगी, जबकि कम प्रजनन दर वाले राज्यों में वृद्धजन कल्याण और भविष्य की श्रमशक्ति संबंधी चुनौतियां प्रमुख होंगी।

ऐसी परिस्थितियों में दो बच्चों की सीमा निर्धारित करने वाले कानूनों और दो से अधिक बच्चों वाले व्यक्तियों को स्थानीय निकाय चुनावों अथवा सरकारी सुविधाओं से वंचित करने जैसे उपायों पर गंभीर पुनर्विचार आवश्यक है। जनसंख्या संबंधी नीतियां नागरिकों के अधिकारों, विशेषकर महिलाओं के प्रजनन अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अनुरूप होनी चाहिए।

जब परिवार स्वाभाविक रूप से छोटे हो रहे हैं, तब दंडात्मक कानूनों के माध्यम से परिवार के आकार को नियंत्रित करने का प्रयास सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत परिणाम पैदा कर सकता है। इससे गरीब परिवारों, महिलाओं और वंचित समुदायों पर असमान दबाव पड़ने की आशंका भी रहती है। भारत के सामने वास्तविक चुनौती जनसंख्या को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि जनसंख्या की बदलती संरचना के अनुरूप सार्वजनिक नीतियों का निर्माण करना है। वृद्धजनों के लिए व्यापक पेंशन व्यवस्था, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, वृद्धावस्था देखभाल केंद्र तथा सामाजिक सुरक्षा का विस्तार आवश्यक है। साथ ही, कार्यशील आयु वर्ग की आबादी को उत्पादक बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, कौशल विकास और रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देना होगा। जनसांख्यिकीय लाभांश तभी वास्तविक आर्थिक लाभ में परिवर्तित हो सकता है, जब युवाओं को रोजगार और सम्मानजनक जीवन के अवसर उपलब्ध हों।

महिलाओं की आर्थिक भागीदारी भी इस परिवर्तन का केंद्रीय विषय है। महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, समान वेतन, मातृत्व सुविधाएं और प्रजनन संबंधी निर्णयों में स्वतंत्रता प्रदान करना किसी भी प्रभावी जनसंख्या नीति की आधारशिला होनी चाहिए। परिवार नियोजन का उद्देश्य महिलाओं पर नियंत्रण स्थापित करना नहीं, बल्कि उन्हें सूचित और स्वतंत्र निर्णय लेने में सक्षम बनाना होना चाहिए। इसी प्रकार बच्चों की संख्या के आधार पर राजनीतिक अधिकारों अथवा सार्वजनिक अवसरों से वंचित करना लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व के व्यापक उद्देश्य को कमजोर कर सकता है। भारत को जनसंख्या नियंत्रण की पुरानी अवधारणा से आगे बढ़कर जनसंख्या प्रबंधन और मानव विकास की व्यापक नीति अपनानी चाहिए। इसमें क्षेत्रीय जनसांख्यिकीय जरूरतों के अनुसार नियोजन, प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, वृद्धजन कल्याण, श्रम बाजार की तैयारी और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। जनसंख्या संबंधी नीतियों का मूल्यांकन केवल जन्म दर के आंकड़ों से नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन स्तर, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक समानता के आधार पर किया जाना चाहिए।

अंतत:, जनसंख्या किसी राष्ट्र के लिए केवल संख्या नहीं, बल्कि उसकी मानवीय क्षमता और सामाजिक संरचना का प्रतिबिंब होती है। भारत की घटती प्रजनन दर हमें यह अवसर प्रदान करती है कि हम दंडात्मक नियंत्रण के बजाय अधिकार-आधारित, वैज्ञानिक और संवेदनशील नीतियों की दिशा में आगे बढ़ें। भविष्य का भारत तभी सशक्त होगा, जब उसके युवा शिक्षित और रोजगारयुक्त होंगे, महिलाएं स्वतंत्र होंगी और वृद्धजन सम्मान तथा सुरक्षा के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। अब आवश्यकता जनसंख्या पर नियंत्रण की नहीं, बल्कि मानव क्षमता के विकास और बदलती जनसांख्यिकी के अनुरूप राष्ट्र निर्माण की है

छठ पूजा को लेकर देहरादून पुलिस ने जारी किया नया ट्रैफिक प्लान, कल से इन प्रमुख रास्तों पर रहेगा डायवर्जन

देहरादून (नि०स०)। महापर्व छठ पूजा के दौरान राजधानी की सड़कों पर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए देहरादून पुलिस ने कमर कस ली है। पुलिस प्रशासन ने 15 और 16 नवंबर के लिए विस्तृत ट्रैफिक और डायवर्जन प्लान जारी करते हुए स्पष्ट चेतावनी दी है कि नो-पार्किंग जोन में वाहन खड़ा करने पर गाड़ी को क्रेन से टो कर लिया जाएगा और वाहन स्वामी से 1500 रुपये का जुर्माना वसूला जाएगा।

छठ पूजा के दौरान नंदा की चौकी और आसपास के घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। दरअसल, इस भीड़ को नियंत्रित करने और जाम की स्थिति से बचने के लिए मुख्य मार्गों का यातायात परिवर्तित किया गया है। नई व्यवस्था के तहत देहरादून से सहसपुर और विकासनगर की ओर जाने वाले वाहनों को प्रेमनगर से न्यू एक्सप्रेस-वे के रास्ते सिंघनीवाला होते हुए अपने गंतव्य की ओर भेजा जाएगा। इसी तरह प्रेमनगर से झाझरा, सुद्धोवाला और बिधोली जाने वाले वाहनों को ठाकुरपुर रूट और बालाजी धाम से होते हुए निकाला जाएगा। पुलिस ने भारी वाहनों के संचालन के लिए भी अलग व्यवस्था की है। धूलकोट तिराहा से सभी भारी वाहनों को सिंघनीवाला की तरफ डायवर्ट किया जाएगा, जो बड़ोंवाला होते हुए आगे बढ़ेंगे। हालांकि, पुलिस ने यह भी साफ किया है कि नंदा की चौकी और प्रेमनगर क्षेत्र में यातायात का दबाव अधिक बढ़ने पर स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार ट्रैफिक प्लान में तत्काल बदलाव किया जा सकता है।

अक्सर देखा जाता है कि त्योहारों के दौरान अव्यवस्थित पार्किंग ही शहर में सबसे बड़े जाम का कारण बनती है। असल में, इसी समस्या से निपटने के लिए पुलिस ने छठ घाटों के नजदीक पांच विशेष पार्किंग स्थल चिह्नित किए हैं। देहरादून शहर से नंदा की चौकी छठ पूजा में शामिल होने वाले श्रद्धालु रांघड़वाला तिराहा और प्रेमनगर चौक होते हुए नंदा की चौकी स्थल तक पहुंच सकेंगे।

जौलजीवी महोत्सव में स्थानीय विधायक हरीश धामी को संबोधन से रोकना जनप्रतिनिधि और क्षेत्र की जनता का अपमान : लालचंद शर्मा

देहरादून (नि०स०)। पिथौरागढ़ के जौलजीवी महोत्सव में कांग्रेस विधायक श्री हरीश धामी को मंच से संबोधन का अवसर नहीं दिया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। यह केवल एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि की उपेक्षा नहीं, बल्कि उस क्षेत्र की जनता का भी अपमान है, जिसका प्रतिनिधित्व श्री हरीश धामी करते हैं। हरीश धामी अपने क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक हैं और महोत्सव के कार्यक्रम की अध्यक्षता भी कर रहे थे। इसके बावजूद उन्हें मंच से संबोधन का अवसर न देना कार्यक्रम की गरिमा और स्थापित प्रोटोकॉल की मर्यादाओं के विपरीत है।

जौलजीवी महोत्सव जैसे सांस्कृतिक और क्षेत्रीय आयोजन किसी राजनीतिक दल विशेष के नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की जनता के होते हैं। ऐसे आयोजनों में राजनीतिक भेदभाव से ऊपर उठकर सभी जनप्रतिनिधियों को सम्मान और अपनी बात रखने का उचित अवसर मिलना चाहिए। यह घटना लोकतांत्रिक परंपराओं और जनप्रतिनिधियों के सम्मान पर गंभीर सवाल खड़े करती है। जब अपने ही क्षेत्र के निर्वाचित विधायक और कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जनप्रतिनिधि को संबोधन का अवसर नहीं दिया जाएगा, तो यह आम जनता की आवाज को नजरअंदाज करने जैसा है। कांग्रेस इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करती है और आयोजकों से जवाब मांगती है कि आखिर स्थानीय विधायक श्री हरीश धामी को उनके ही क्षेत्र के महोत्सव में संबोधन से क्यों वंचित रखा गया?

एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय के डॉ. भास्करन का इनसा विजिटिंग साइंटिस्ट कार्यक्रम के लिए चयन

श्रीनगर (गढ़वाल), 14 नवंबर 2026। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में कार्यरत डॉ. भास्करन का प्रतिष्ठित भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (Indian National Science Academy-INSA) के विजिटिंग साइंटिस्ट कार्यक्रम वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए चयन हुआ है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत उन्हें नई दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में एक माह तक विजिटिंग साइंटिस्ट के रूप में शैक्षणिक एवं शोध कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की ओर से 29 सितंबर 2026 को जारी चयन पत्र के अनुसार, डॉ. भास्करन को इस कार्यक्रम के लिए चयनित किया गया है। कार्यक्रम के दिशा-निर्देशों के अनुसार डॉ. भास्करन को 15 फरवरी 2027 तक अपना एक माह का भ्रमण एवं शोध कार्य पूर्ण करना होगा। भ्रमण की समाप्ति के बाद उन्हें शोध कार्य की संक्षिप्त रिपोर्ट भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी को प्रस्तुत करनी होगी। डॉ. भास्करन का इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के लिए चयन विश्वविद्यालय में संचालित शोध एवं अकादमिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे उन्हें देश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में शोध अनुभव प्राप्त करने तथा अकादमिक सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान का अवसर मिलेगा। डॉक्टर भास्करन 16 नवंबर से जे एन यू में अपना कार्य प्रारम्भ करेंगे ।



टीएचडीसी द्वारा ऊर्जा संरक्षण पर राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

ऋषिकेश (नि०स०)। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड द्वारा आज रसमंजरी ऑडिटोरियम, टीएचडीसी कॉलोनी, ऋषिकेश में ऊर्जा संरक्षण विषय पर राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता-2026 का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का आयोजन भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अधीन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिशिएंसी) के तत्वावधान में किया गया। उत्तराखंड में राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता के आयोजन हेतु टीएचडीसी को नोडल एजेंसी नामित किया गया था। इस अवसर पर श्री सिपन कुमार गर्ग, प्रबंध निदेशक, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने ऊर्जा संरक्षण को सतत एवं सुरक्षित भविष्य के निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। इस वर्ष की प्रतियोगिता के विषयों 'ऊर्जा बचाएँ, भविष्य सुरक्षित बनाएं' तथा 'बीईई स्टार लेबलों की चमकार, ऊर्जा सुरक्षा हो शानदार' का उल्लेख करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को ऊर्जा के विवेकपूर्ण उपयोग तथा ऊर्जा दक्ष विद्युत उपकरणों के महत्व के प्रति जागरूक होने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बिजली बचाने के छोटे-छोटे, लेकिन निरंतर किए जाने वाले प्रयास सामूहिक रूप से देश की ऊर्जा सुरक्षा एवं सतत विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

रितु गुजराल फाउंडेशन द्वारा 'विधि पाठशाला 6.0' के अंतर्गत ट्रांसजेंडर अधिवेशन का भव्य आयोजन

देहरादून (नि०स०)। रितु गुजराल फाउंडेशन द्वारा विधि पाठशाला 6.0 के अंतर्गत 'ट्रांसजेंडर अधिवेशन' का आयोजन पुलिस लाइन ऑडिटोरियम, रेसकोर्स, देहरादून में किया गया। यह कार्यक्रम संकल्प फाउंडेशन के सहयोग से तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, माय भारत (MY Bharat) के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रति समावेशिता, समानता एवं संवेदनशीलता को बढ़ावा देना तथा उन्हें उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों और केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा उनके कल्याण के लिए लागू किए गए कानूनों, योजनाओं एवं प्रावधानों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भाजपा की प्रदेश महामंत्री श्रीमती दीप्ति रावत भारद्वाज रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तराखंड उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजेश टंडन जी ने की। इस अवसर पर पूर्व बाल आयोग अध्यक्ष डॉ. गीता खन्ना, पूर्व पीसीएस अधिकारी श्रीमती रमेंद्री मेंदवाल, एनएसएस स्टेट ऑफिसर डॉ. सुनेना रावत तथा माय भारत के स्टेट डायरेक्टर श्री राहुल डबराल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सीबीआई ने महादेव ऐप मामले में 6 राज्यों में 33 स्थानों पर तलाशी ली

देहरादून (नि०स०)। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पिछले कुछ दिनों के दौरान, महादेव ऑनलाइन बुक ऐप नामक अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म के पैनल संचालकों के परिसरों पर 6 राज्यों में 33 स्थानों पर तलाशी ली है। ये तलाशी, प्लेटफॉर्म के प्रमुख प्रवर्तकों में से एक और मुख्य आरोपी सौरभ चंद्राकर द्वारा सल्तनत-ए-ओमान से प्रत्यर्पण के बाद किए गए खुलासों के आधार पर ली गईं। तलाशी के दौरान, सट्टेबाजी एवं जुआ खेलने के सक्रिय पैनल संचालित पाए गए, जिन्हें बंद करा दिया गया। तलाशी में म्यूल खातों (दूसरों के नाम पर संचालित बैंक खातों) तथा हवाला नेटवर्क के उपयोग को दर्शाने वाले डिजिटल उपकरण, मोबाइल फोन और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद एवं जब्त किए गए। सौरभ चंद्राकर को ओमान से प्रत्यर्पित किए जाने के बाद सीबीआई ने दिनांक 01.11.2026 को गिरफ्तार किया था। माननीय विशेष न्यायाधीश (सीबीआई मामले), रायपुर ने उसे सीबीआई की 8 दिन की पुलिस हिरासत में सौंपने का आदेश दिया था। उससे पूछताछ में प्लेटफॉर्म के संचालन तथा भारत में इसके पैनल संचालकों के नेटवर्क के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त हुईं। अन्वेषण के दौरान एकत्र किए गए दस्तावेजी एवं डिजिटल साक्ष्यों के संबंध में भी उससे पूछताछ की गई।

बाल दिवस : बचपन की मुस्कान, भविष्य की पहचान

उड़ने दो परिंदों को अभी शोख़ हवा में,
फिर लौट के बचपन के ज़माने नहीं आते।

- बशीर बद्र

बचपन जीवन की वह अनमोल अवस्था है, जिसमें निष्कपट मुस्कान, असीम जिज्ञासाएँ, निश्छल भावनाएँ और अनगिनत स्वप्न समाहित होते हैं। यह जीवन का वह स्वर्णिम कालखंड है, जिसकी स्मृतियाँ आयु के प्रत्येक पड़ाव पर मनुष्य के अंतर्मन को आनंदित और भावविभोर करती रहती हैं। बच्चों की किलकारियों में जीवन का संगीत, उनकी कल्पनाओं में भविष्य की संभावनाएँ और उनकी आँखों में एक सुंदर संसार का प्रतिबिंब दिखाई देता है। इसी बालसुलभ उल्लास, निष्कलुषता और संभावनाओं के सम्मान तथा संरक्षण के संकल्प के साथ प्रतिवर्ष 14 नवंबर को पूरे भारतवर्ष में बाल दिवस मनाया जाता है।

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पण्डित जवाहरलाल नेहरू की जयंती को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। स्वतंत्र भारत के निर्माण, लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना, आधुनिक संस्थाओं के विकास तथा अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की प्रतिष्ठा को सुदृढ़ करने में उनका महत्त्वपूर्ण योगदान रहा। नेहरू जी को बच्चों से विशेष अनुराग था। वे बच्चों को देश की अमूल्य निधि और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य का आधार मानते थे। बच्चे भी उन्हें स्नेहपूर्वक 'चाचा नेहरू' कहकर पुकारते थे। उनका विश्वास था कि बच्चों को प्रेम, स्वतंत्रता, शिक्षा और उचित अवसर प्रदान करके ही एक सशक्त, प्रगतिशील एवं मानवीय समाज की आधारशिला रखी जा सकती है। वस्तुतः बाल दिवस केवल एक उत्सव अथवा औपचारिक आयोजन का अवसर नहीं, अपितु बाल अधिकारों, बाल कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सर्वांगीण विकास के प्रति अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता को पुनः स्मरण करने का दिवस है। प्रत्येक बच्चा अपने भीतर विलक्षण प्रतिभा, कल्पनाशीलता और सृजनात्मक ऊर्जा लेकर जन्म लेता है। आवश्यकता केवल इतनी है कि उसे ऐसा अनुकूल परिवेश मिले, जहाँ उसकी प्रतिभा को अभिव्यक्ति का अवसर प्राप्त हो, जिज्ञासाओं को प्रोत्साहन मिले और उसके सपनों को साकार होने के लिए पर्याप्त आकाश उपलब्ध हो।

बच्चों का संसार बड़ों की अपेक्षाओं, सामाजिक प्रतिस्पर्धाओं और कृत्रिम मान्यताओं से कहीं अधिक सहज, सुंदर और स्वाभाविक होता है। उनकी छोटी-छोटी खुशियाँ, अनगिनत प्रश्न और कल्पनाओं की उड़ान हमें जीवन को नए दृष्टिकोण से देखने की प्रेरणा देती हैं। दुर्भाग्यवश, आज का बचपन अनेक चुनौतियों से घिरा हुआ है। कहीं बाल श्रम और बाल शोषण जैसी अमानवीय प्रवृत्तियाँ उसके अधिकारों का हनन कर रही हैं, तो कहीं आर्थिक विषमता, अशिक्षा, कुपोषण और असुरक्षित परिवेश उसके विकास की राह में अवरोध उत्पन्न कर रहे हैं। आधुनिक जीवनशैली, अनावश्यक प्रतिस्पर्धा और डिजिटल माध्यमों का बढ़ता प्रभाव भी बच्चों के स्वाभाविक खेलकूद, सामाजिक संवाद और भावनात्मक विकास को प्रभावित कर रहा है। ऐसे समय में हमारा दायित्व और भी बढ़ जाता है कि हम बच्चों को केवल पाठ्यपुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखें, बल्कि उनमें मानवीय संवेदना, नैतिकता, सहिष्णुता, अनुशासन, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे जीवनोपयोगी मूल्यों का विकास करें। शिक्षा का उद्देश्य केवल आजीविका अर्जित करने योग्य बनाना नहीं, बल्कि एक संवेदनशील, विवेकशील और उत्तरदायी नागरिक का निर्माण करना भी है। बच्चों को प्रश्न पूछने, स्वतंत्र चिंतन करने, अपनी रुचियों को विकसित करने और अपनी क्षमताओं के अनुरूप आगे बढ़ने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।

इस संदर्भ में अभिभावकों, शिक्षकों और समाज की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। अभिभावक बच्चों पर अपनी अधूरी आकांक्षाएँ थोपने के स्थान पर उनकी रुचियों और स्वाभाविक क्षमताओं को पहचानें। शिक्षक उनके भीतर छिपी प्रतिभा को उभारने वाले प्रेरणास्रोत बनें तथा समाज प्रत्येक बच्चे को समान अवसर और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध हो। बच्चों के साथ संवाद, स्नेह और विश्वास का संबंध स्थापित करना समय की अनिवार्य आवश्यकता है। उन्हें केवल सफलता के प्रतिमानों से नहीं, बल्कि उनके सद्गुणों, प्रयासों और संवेदनशीलता के आधार पर भी समझा जाना चाहिए।

हमें यह भी समझना होगा कि बच्चे केवल देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान की जीवंत और महत्त्वपूर्ण उपस्थिति भी हैं। उनके अधिकारों का सम्मान, उनकी भावनाओं की कद्र और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किसी भी सभ्य समाज की पहचान है। जिस राष्ट्र का बचपन शिक्षित, स्वस्थ, सुरक्षित और संस्कारित होगा, उसका भविष्य निश्चित रूप से उज्ज्वल एवं समृद्ध होगा।

बाल दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर प्रदान करता है कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसी दुनिया का निर्माण कर रहे हैं। क्या हम उन्हें स्वच्छ पर्यावरण, सद्भावपूर्ण समाज, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और भयमुक्त जीवन दे पाएँगे? क्या हम उनके सपनों को पंख देने के साथ-साथ उन्हें उड़ान भरने के लिए खुला आकाश भी उपलब्ध करवा सकेंगे? इन प्रश्नों के उत्तर हमारी कथनी में नहीं, अपितु हमारे सामूहिक आचरण और कार्यों में निहित हैं। आइए, बाल दिवस के पावन अवसर पर हम संकल्प लें कि प्रत्येक बच्चे के चेहरे पर मुस्कान, मन में आत्मविश्वास और आँखों में सुनहरे सपनों की चमक बनाए रखने का हरसंभव प्रयास करेंगे। हम बच्चों को ऐसी विरासत सौंपकर जाएँ, जिसमें भेदभाव के स्थान पर समानता, घृणा के स्थान पर प्रेम, हिंसा के स्थान पर शांति और निराशा के स्थान पर आशा का वास हो। उनके लिए एक ऐसा संसार निर्मित करें, जहाँ उनकी कल्पनाएँ बाधित न हों, प्रतिभाएँ उपेक्षित न रहें और बचपन किसी विवशता का नहीं, बल्कि आनंद, स्वतंत्रता और सृजन का पर्याय बने। क्योंकि आज के बच्चों की मुस्कान में ही कल के भारत की समृद्धि, संवेदना और सभ्यता का वास्तविक प्रतिबिंब निहित है।

क्ले मास्क बनाम शीट मास्कः त्वचा के लिए कौन-सा विकल्प है ज्यादा बेहतर ?

त्वचा की देखभाल के लिए मास्क का इस्तेमाल एक लोकप्रिय तरीका है। बाजार में 2 प्रकार के मास्क मौजूद हैं, एक क्ले वाला फेस मास्क और दूसरा शीट मास्क। दोनों के अपने-अपने फायदे और उपयोग हैं। इस लेख में हम इन दोनों मास्क के बीच के अंतर और उनके फायदे-नुकसान पर चर्चा करेंगे, जिससे आप अपनी त्वचा की जरूरत के हिसाब से सही विकल्प चुन सकें। आइए जानते हैं कि दोनों में से कौन-सा मास्क त्वचा के लिए बेहतर है।

क्ले मास्क के फायदे- क्ले मास्क प्राकृतिक तत्वों से बने होते हैं, जो त्वचा की गहराई तक जाकर उसे साफ और स्वस्थ रखते हैं। ये मास्क त्वचा के अतिरिक्त तेल को सोख लेते हैं, जिससे मुंहासे होने की संभावना कम होती है।

इसके अलावा ये मास्क त्वचा की गंदगी और अशुद्धियों को भी हटाते हैं, जिससे त्वचा तरोताजा महसूस करती है। क्ले मास्क में मौजूद खनिज तत्व त्वचा को पोषण देते हैं, जिससे वह निखरी और चमकदार दिखती है।

शीट मास्क के फायदे- शीट मास्क एक प्रकार का पहले से तैयार मास्क होता है, जिसे सीधे चेहरे पर लगाया जाता है। यह त्वचा को तुरंत नमी प्रदान करता है और उसे ताजगी महसूस कराता है।

शीट मास्क में मौजूद नमी देने वाले तत्व त्वचा को मुलायम बनाते हैं और उसकी चमक बढ़ाते हैं। इसे इस्तेमाल करना आसान होता है और यह यात्रा के दौरान या व्यस्त दिनचर्या में भी सुविधाजनक है।

शीट मास्क अलग-अलग प्रकार की जरूरतों के हिसाब से उपलब्ध होते हैं।

दोनों मास्क के बीच का अंतर- क्ले मास्क को लगाने के बाद कुछ मिनट तक सूखने दिया जाता है और फिर इसे धो लिया जाता है। वहीं, शीट मास्क को चेहरे पर लगाने के बाद उतार लिया जाता है, बिना धोने की जरूरत पड़े।

इस प्रकार दोनों मास्क का उपयोग करने का तरीका अलग-अलग है। अगर आपकी त्वचा तैलीय है या मुंहासों की समस्या है तो क्ले मास्क बेहतर रहेगा। वहीं, सूखी त्वचा वालों के लिए शीट मास्क सही रहेगा।

क्ले मास्क के नुकसान- क्ले मास्क कुछ लोगों की त्वचा पर जलन या एलर्जी पैदा कर सकते हैं, खासकर संवेदनशील त्वचा वालों के लिए। इसके अलावा अगर सही मात्रा में इस्तेमाल न किया जाए तो यह त्वचा को सुखा भी सकता है।



मेष राशि : आज आप का दिन बेहतर रहेगा। बच्चों द्वारा आज शुभ समाचार मिलने से घर में खुशी का माहौल रहेगा साथ ही पिछले कुछ दिनों से चल रही किसी दुविधा का भी समाधान निकलेगा जिससे परिवार के सभी सदस्यों को आनन्द की प्राप्ति होगी। आज खाद्य पदार्थों के व्यापार में चार गुना वृद्धि हो सकती है। आज आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बना रहेगा। आज रूक्न्न के स्टूडेंट्स अपने कॉलेज को प्रोजेक्ट पूरा करने में दोस्तों की मदद मिलेगी।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए सार्थक रहने वाला है। आज कम्पनी की तरफ से आपको काम के सिलसिले में विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है। आज स्टूडेंट्स की पढ़ाई में रुचि बढ़ेगी, कई दिनों से किसी टॉपिक को समझने में परेशान चल रही थी आज उसे अच्छे से क्लियर कर पायेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। जीवनसाथी के साथ आज का दिन मनोरंजक गुजरेगा। आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज सोचा हुआ आपका काम पूरा हो जाएगा।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहेगा। आज बच्चों के भविष्य से जुड़ी कुछ योजनाएं बनेंगी और उन्हें तुरंत लागू करना भी उचित रहेगा। किसी महत्वपूर्ण उद्देश्य को लेकर आज यात्रा भी हो सकती है। अपने उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर आज आपको पॉजीटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। आज अपने लवमेट को रिंग गिफ्ट कर सकते हैं, इससे आज आप दोनों के बीच रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी।

कर्क राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। परिवार वालों के साथ मनोरंजन के लिए कहीं ट्रिप का प्लान बन सकता है। परिवार के सभी सदस्यों के साथ आज अच्छा समय बिताएंगे। रियल स्टेट से जुड़े लोगों की आज फायदेमंद डील हो सकती हैं। सरकारी क्षेत्र में सेवारत व्यक्तियों को आज जरूरी काम से यात्रा करनी पड़ सकती है। इस राशि के व्यापारी वर्ग को आज अचानक बड़ा फायदा हो सकता है। टेन्ट हाउस और ईवेंट मनेजमेंट का काम करने वालों के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है, बढ़िया मुनाफा होने वाला है।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहेगा। आज आपके सारे पुराने काम आसानी से पूरे हो जाएंगे। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। साइंस से जुड़े छात्रों को आज अच्छी जॉब का ऑफर मिल सकता है। बिजनेस के सिलसिले में दोस्त के साथ बाहर जा सकते है। व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए आप किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह लेंगे। आज किसी से बात करते समय अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। लवमेट अपने रिश्ते को लेकर घर पर बात करेंगे। रिश्ता तय हो सकता है। जिससे घर में खुशियों का माहौल बना रहेगा।

कन्या राशि : आज आप का दिन बेहतर रहेगा। बच्चों द्वारा आज शुभ समाचार मिलने से घर में खुशी का माहौल रहेगा साथ ही पिछले कुछ दिनों से चल रही किसी दुविधा का भी समाधान निकलेगा जिससे परिवार के सभी सदस्यों को आनन्द की प्राप्ति होगी। आज खाद्य पदार्थों के व्यापार में चार गुना वृद्धि हो सकती है। आज आर्थिक पक्ष पहले से मजबूत बना रहेगा। आज रूक्न्न के स्टूडेंट्स अपने कॉलेज को प्रोजेक्ट पूरा करने में दोस्तों की मदद मिलेगी।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए लकी रहेगा। दोस्तों के साथ आज कहीं बाहर पार्टी करने जा सकते है। इस राशि के बिजनेस मैन को आज अचानक किसी काम का बड़ा आर्डर मिल सकता है। आज व्यवसाय में किसी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन किसी अनुभवी व्यक्ति के मार्गदर्शन से समस्या हल भी हो जाएगी। आपकी आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। अगर आज किसी नये बिजनेस की शुरुआत करने की सोच रहें है तो माता-पिता की राय अवश्य लें निश्चित ही आपको सफलता मिलेगी।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए भाग्यशाली साबित होने वाला है। आज दोस्त की बर्थडे पार्टी में नए लोग मिलेंगे जो आपके लिए आने वाले समय फायदेमंद साबित होंगे। आज ऑफिस के कार्यों में मन लगेगा बॉस आपके काम से प्रभावित होंगे। यदि आज कहीं बाहर जाना चाह रहें है तो ए.टी.एम. कार्ड साथ ले जाना न भूलें। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन संतोषजनक रहेगा अपने स्टडी प्लान में जरूरी बदलाव करेंगे। परिवार के साथ आज रात को बाहर डिनर का प्लान बन सकता है इससे रिश्तों में मधुरता बनेगी।

धनु राशि : आज आप का दिन ताजगी भरा रहेगा। आज की गई मेहनत का सार्थक फल आपको अवश्य मिलेगा। घर में आज किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति के आने से कुछ खास मुद्दों पर सकारात्मक विचार विमर्श होगा। आज आपको ऑफिस की महत्वपूर्ण जिम्मेदारीयां मिल सकती है। आज किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात का अवसर मिलेगा जिनसे भविष्य से जुड़ी योजनाओं पर विचार-विमर्श कर सकते हैं। आज आपको सबकी बातें ध्यान से सुननी चाहिए। आज आपको आर्थिक रूप से अधिक लाभ होगा।

मकर राशि : आज आपका दिन सामान्य रहेगा। कलात्मक कार्यों में रुचि रखने वाले लोगों के लिए आज दिन विशेष है आज आपको अपनी योग्यता को निखारने का मौका मिल सकता है। सड़क पर चलते समय आज ट्रैफिक नियमों को ध्यान में रखकर ही रोड-क्रास करें। आज आप अपने दोस्त को प्रसन्न करने के लिए उन्हें चॉकलेट गिफ्ट कर सकते है। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदा देने वाला है। कुछ कार्यों को लेकर आप उलझन में आ सकते हैं लेकिन किसी अनुभवी की मदद से आपको राहत मिलेगी।

कुंभ राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। इस राशि के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन करियर को एक बेहतर दिशा देने के लिए अनुकूल रहेगा। कारोबार में आज किसी नए काम को लेकर भ्रमित न हों और उस पर पूरे मन से काम करें निश्चित ही आप सफल होंगे। स्वास्थ्य के मामले में आज बाहर के खाने से परहेज करें। आज किसी काम को करने में जल्दबाजी न करें। आज आपको कारोबार में अच्छा धन लाभ होने वाला है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए आज का अच्छा रहने वाला है। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए बेहद खास पल लेकर आया है। आज रोजगार में पदोन्नति के अवसर मिलेगा। आज प्रभावशाली लोगों से मेल-मुलाकात होने से आप अपने अंदर भी कुछ बदलाव महसूस करेंगे। बच्चों के भविष्य से जुड़ी कुछ योजनाएं बनेंगी और उन्हें तुरंत लागू करना भी उचित रहेगा ऑफिस में आज आपकी कर्तव्यनिष्ठा के लिए आपको सम्मानित किया जा सकता है इसलिए आज आप ऑफिस टाइम पर जाएं।

अमित साध और ईशा देओल की फिल्म प्रताप का नया गाना मैं वापस आऊंगा जारी



अभिनेता अमित साध और अभिनेत्री ईशा देओल की आगामी फिल्म प्रताप का नया गाना मैं वापस आऊंगा 4 नवंबर को जारी कर दिया गया है। प्यार, पुरानी यादों और किसी अपने के लौटने की उम्मीद पर आधारित यह गीत रिश्तों की गहराई और भावनात्मक जुड़ाव को खूबसूरती से प्रस्तुत करता है। गाने को शाश्वत सिंह और प्रतिज्ञा ने अपनी आवाज दी है, जबकि इसका संगीत अफजलाली ने तैयार किया है।

मैं वापस आऊंगा गीत में दो ऐसे लोगों की कहानी का भावनात्मक पक्ष दिखाया गया है, जो परिस्थितियों के कारण एक-दूसरे से दूर हो जाते हैं, लेकिन उनके बीच का रिश्ता और एक-दूसरे से किया गया वादा बरकरार रहता है। गीत के बोल और संगीत में प्यार, बिछड़ने का दर्द तथा दोबारा मिलने की उम्मीद को प्रमुखता दी गई है। यह गीत बताता है कि समय और परिस्थितियां बदलने के बावजूद कुछ रिश्ते दिल में हमेशा जीवित रहते हैं।

गाने से जुड़े कलाकारों का कहना है कि मैं वापस आऊंगा ऐसी भावना को सामने लाता है, जिससे हर व्यक्ति खुद को जोड़ सकता है। किसी से किया गया वादा निभाना, उम्मीद बनाए रखना और उसके लौटने का इंतजार करना बेहद खास एहसास है। यह गीत फिल्म की कहानी के भावुक पहलू को दर्शाता है और दर्शकों को किरदारों के आपसी रिश्तों की झलक देता है। गायक शाश्वत सिंह ने भी इस गीत को प्यार, यादों और उम्मीदों की कहानी बताया है। उन्होंने कहा कि अपनी आवाज के माध्यम से उन्होंने इसमें इंतजार और अपनों से जुड़े रहने के एहसास को व्यक्त करने का प्रयास किया है। उन्हें उम्मीद है कि दर्शक इस गीत की भावनाओं से जुड़ाव महसूस करेंगे।

फिल्म प्रताप की कहानी प्रताप रानाडे नाम के एक पुलिस अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका किरदार अमित साध निभा रहे हैं। प्रताप एक मुठभेड़ विशेषज्ञ है, जिसकी जिंदगी उस समय पूरी तरह बदल जाती है, जब उसे खुद जेल जाना पड़ता है। इसके बाद उसके जीवन में कई चुनौतियां सामने आती हैं। फिल्म में कर्तव्य, वफादारी, फैसलों और उनके परिणामों की जिम्मेदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों को उठाया गया है।

फिल्म में अमित साध और ईशा देओल के अलावा सीमा बिस्वास, तिग्मांशु धूलिया और मिलिंद गुणाजी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

प्रताप का लेखन और निर्देशन सचिन सराफ ने किया है। फिल्म का निर्माण प्रदीप रंगवानी ने यूवी फिल्म्स के बैनर तले किया है। फिल्म 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। नया गीत मैं वापस आऊंगा फिल्म की कहानी के भावनात्मक पक्ष को सामने लाने के साथ ही दर्शकों में इसके प्रति उत्सुकता बढ़ा रहा है।

पंकज त्रिपाठी की 'पारिवारिक मनोरंजन' का ट्रेलर जारी, कॉमेडी और रहस्य का दिखेगा अनोखा मेल



अभिनेता पंकज त्रिपाठी की आगामी फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन' का ट्रेलर जारी हो गया है। ट्रेलर से संकेत मिलता है कि फिल्म में हास्य, पारिवारिक हलचल और रहस्य का दिलचस्प मेल देखने को मिलेगा। फिल्म की कहानी एक ऐसे परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी जिंदगी में एक रहस्यमयी महिला के आने से कई अप्रत्याशित घटनाएं शुरू हो जाती हैं।

फिल्म में पंकज त्रिपाठी ने रंजन दुबे का किरदार निभाया है। रंजन की जिंदगी उस समय बदलने लगती है, जब उनके घर हेलेन नाम की एक नई कामवाली आती है। इस भूमिका में अदिति राव हैदरी नजर आएंगी। शुरुआत में सामान्य दिखने वाली घटनाएं उस समय रहस्यमय मोड़ ले लेती हैं, जब पुलिस मनु जोशी नाम के व्यक्ति की तलाश शुरू कर देती है। इसके बाद हेलेन की पहचान और उसके अतीत को लेकर कई सवाल खड़े होने लगते हैं। कहानी में यह रहस्य बना रहता है कि आखिर हेलेन कौन है और वह किन राजों को छिपा रही है।

वरुण वी. शर्मा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में बृजेंद्र काला भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने अली अब्बास जफर और वरुण वी. शर्मा के साथ मिलकर फिल्म की कहानी, पटकथा और संवाद लिखे हैं। इसके अलावा मुकेश तिवारी और सुनीता रजवार भी महत्वपूर्ण किरदारों में दिखाई देंगे।

फिल्म का निर्माण भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और एएजेड फिल्म्स ने मिलकर किया है। अली अब्बास जफर फिल्म के रचनात्मक निर्माता हैं। यह दोनों निर्माण संस्थानों का नया सहयोग है।

'पारिवारिक मनोरंजन' 13 नवंबर, 2026 को सोनीलिव पर प्रसारित होगी। ट्रेलर के सामने आने के बाद दर्शकों में फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है।

श्रद्धा कपूर ने लगातार हो रही आलोचना के बीच ट्रोलर्स को दिया करारा जवाब

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर सवाल-जवाब के सेशन के दौरान फैंस से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने ऑनलाइन आलोचना और नकारात्मक टिप्पणियों पर अपनी राय रखी। श्रद्धा ने कहा कि वह ऐसे कमेंट्स का जवाब देने में समय गंवाने के बजाय अपने काम पर ध्यान देना पसंद करती हैं। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब आगामी फिल्म ईथा में उनके मराठी लहजे और संवाद अदायगी को लेकर सोशल मीडिया पर आलोचना हो रही है।

मातृभूमि का नया गाना तेरी सेक्सी ब्यूटी रिलीज, 11 साल बाद सलमान खान ने दी अपनी आवाज



सलमान खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस का नया गाना तेरी सेक्सी ब्यूटी रिलीज हो गया है. इस गाने को सलमान खान ने अपनी आवाज दी है. गाने में भाईजान के साथ चित्रांगदा सिंह स्क्रीन शेयर करती नजर आ रही हैं. इस ट्रैक में सलमान खान की आवाज और चित्रांगदा का ग्लैमर एक साथ उनकी रिफ्रेशिंग केमिस्ट्री के जरिए दिल जीत रहा है. सलमान खान ने बतौर प्लेबैक सिंगर फिल्म हीरो (2015) के लिए टाइटल सॉन्ग गाना गाया था और अब 11 साल बाद किसी फिल्म के लिए उनका नया गाना आया है.

नई जोड़ी के रूप में यह गाना सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह को दिखा रहा है, जिसमें उनकी केमिस्ट्री सबसे बड़ी हाईलाइट बनी हुई है. गाने में चित्रांगदा जहां बेहद आकर्षक लग रही हैं, वहीं सलमान का एफर्टलेस चार्म और शानदार स्क्रीन प्रेजेंस, उनकी इस नई जोड़ी को सिल्वर स्क्रीन पर देखने लायक बनाता है. ट्रैक में उनकी बॉन्डिंग इस म्यूजिकल रिलीज को फैंस के लिए बेहद एक्साइटिंग बना रही है.

तेरी सेक्सी ब्यूटी को साजिद खान ने म्यूजिक देने के साथ बोल लिखे हैं, जबकि गाने की कोरियोग्राफी सीजर गोंजाल्विस ने की है. सलमान खान की आवाज के साथ, कैची बिट्स और खूबसूरत प्रेजेंटेशन के जरिए यह गाना फिल्म में ग्लैमर के साथ एंटरटेनमेंट का जबरदस्त डोज है. बता दें, सलमान खान ने बीते समय में कुछ इंडिपेंडेंट सॉन्ग गाये हैं, लेकिन फिल्म हीरो (2015) के बाद किसी फिल्म में उनका यह प्लैबैक सिंगिंग सॉन्ग है.

अपूर्व लाखिया के डायरेक्शन में बनी 'मातृभूमि: मे वॉर रेस्ट इन पीस' को सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है. यह फिल्म सैनिकों की कहानी पर बनाई गई है, जिसका फर्स्ट लुक और टीजर सामने आने के बाद से ही चर्चा में बना हुआ है. दर्शकों को फिल्म का बेसब्री से इंतजार है, लेकिन अभी तक इसकी नई रिलीज डेट का एलान नहीं किया गया है.

इसके अलावा सलमान खान की एक और फिल्म एसवीसी63 है, जिसे साउथ फिल्मों के डायरेक्टर वामशी पेडिपल्ली हैं. यह एक मास एक्शन फिल्म बताई जा रही है, जिसमें सलमान खान का अलग ही एक्श अवतार देखने को मिलेगा. इस फिल्म पर फिलहाल काम चल रहा है. भाईजान के फैंस को इस फिल्म से अपडेट आने का बेसब्री से इंतजार है.

रजनीकांत की फिल्म 'धर्मन' में शामिल हुईं श्रीलीला

दक्षिण भारतीय फिल्मों की लोकप्रिय अभिनेत्री श्रीलीला सुपरस्टार रजनीकांत की आगामी फिल्म 'धर्मन' में शामिल हो गई हैं। अश्वथ मारिमुथु के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में पहली बार श्रीलीला और रजनीकांत की जोड़ी पर्दे पर नजर आएगी। फिल्म निर्माताओं ने कमल हासन के निर्माण संस्थान 'राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल' के माध्यम से एक विशेष घोषणा वीडियो जारी कर श्रीलीला का फिल्म में स्वागत किया है।

शिवकार्तिकेयन के साथ फिल्म 'पराशक्ति' के जरिए तमिल सिनेमा में कदम रखने के बाद श्रीलीला के पास कई बड़े प्रोजेक्ट हैं। वह धनुष और ममूटी की फिल्म 'ओम' के अलावा अजित कुमार की फिल्म 'डेयरडेविल' से भी जुड़ी हुई हैं। अब 'धर्मन' में उनकी एंट्री ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। फिल्म में पहले से ही दक्षिण भारतीय सिनेमा के कई चर्चित कलाकार शामिल हैं। खबरों के मुताबिक, इस एक्शन प्रधान मनोरंजक फिल्म में रजनीकांत एक डॉक्टर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। हालांकि, उनका यह किरदार पारंपरिक नायक की छवि से अलग होगा और उसके व्यक्तित्व में नकारात्मक पहलू भी देखने को मिलेंगे। फिल्म में सिमरन, नयनतारा, राशि खन्ना और योगी बाबू भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। इससे पहले निर्माताओं की ओर से जारी पोस्टरों में रजनीकांत के हाथों पर खून लगा हुआ दिखाया गया था, जिसने उनके किरदार को लेकर रहस्य और रोमांच बढ़ा दिया है। निर्माताओं ने उनके किरदार को 'केट्टा पैयन' यानी बुरा लड़का बताया है। यह नाम रजनीकांत की चर्चित फिल्म 'मुल्लुम मलारुम' में उनके लोकप्रिय किरदार की याद दिलाता है। फिल्म की कहानी और कलाकारों को लेकर सामने आ रही जानकारियों ने इसे लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। अब देखना दिलचस्प होगा कि रजनीकांत इस फिल्म में डॉक्टर के एक अलग और चुनौतीपूर्ण अवतार से दर्शकों को कितना प्रभावित कर पाते हैं।

उत्तराखंड में बढ़ा मेडिकल और नर्सिंग शिक्षा का दायरा

देहरादून (नि०स०)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कार्यकाल के दौरान उत्तराखंड में ना सिर्फ स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत हुई हैं, बल्कि चिकित्सा शिक्षा के अवसर भी बढ़े हैं। प्रदेश को गत पांच वर्षों में तीन नए राजकीय मेडिकल कॉलेज और तीन राजकीय नर्सिंग कॉलेजों की सेवाएं मिलनी शुरु हो गई हैं। इससे प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा का दायरा बढ़ने के साथ युवाओं के लिए मेडिकल और नर्सिंग की पढ़ाई के अवसर भी बढ़े हैं। वहीं, आम लोगों को कैशलेस उपचार उपलब्ध कराने वाली अटल आयुष्मान योजना और राज्य कर्मचारियों की गोल्डन कार्ड योजना के लिए अनुपूरक बजट में अतिरिक्त धनराशि का प्रावधान किया गया है।

प्रदेश में वर्तमान में छह राजकीय मेडिकल कॉलेज संचालित हैं। इनमें देहरादून, हल्द्वानी, श्रीनगर, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और हरिद्वार शामिल हैं। अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और हरिद्वार मेडिकल कॉलेज की शुरुआत धामी सरकार के कार्यकाल में हुई है। इन छह सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 675 सीटें उपलब्ध हैं। रुद्रपुर में मेडिकल कॉलेज का निर्माण भी पूरा हो चुका है। यहां 100 एमबीबीएस सीटों की अनुमति मिलने पर सरकारी मेडिकल कॉलेजों में सीटों की संख्या बढ़कर 775 हो जाएगी। निजी क्षेत्र के चार मेडिकल कॉलेजों की 900 और एम्स ऋषिकेश की 125 सीटों को मिलाकर प्रदेश में एमबीबीएस की कुल क्षमता करीब 1700 सीटों तक पहुंच गई है।

नर्सिंग शिक्षा में भी बढ़े अवसर

चिकित्सा सेवाओं के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने के उद्देश्य से नर्सिंग शिक्षा का भी विस्तार किया गया है। जुलाई 2021 के बाद प्रदेश में तीन राजकीय नर्सिंग कॉलेज स्थापित हुए हैं। इनके माध्यम से बीएससी नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों में 321 सीटों की बढ़ोतरी हुई है। अब राजकीय नर्सिंग संस्थानों में कुल 879 सीटें हैं, जबकि निजी संस्थानों में 10,616 सीटें उपलब्ध हैं। इस तरह सरकारी और निजी क्षेत्र को मिलाकर नर्सिंग पाठ्यक्रमों की कुल सीटें 11,495 हो गई हैं। नर्सिंग शिक्षा को रोजगार से जोड़ने के लिए विदेशी भाषाओं का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। इसके तहत वर्ष 2023 में दो बैचों के 60 अभ्यर्थियों को जापान और वर्ष 2025 में 13 अभ्यर्थियों को जर्मनी में रोजगार मिला।

स्वास्थ्य योजनाओं के लिए 225 करोड़

स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा के विस्तार के लिए सरकार ने अनुपूरक बजट के जरिए भी कुल 225 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। आम जनता को पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा देने वाली अटल आयुष्मान योजना के लिए 100 करोड़ रुपये रखे गए हैं। वहीं, राज्य कर्मचारियों को कैशलेस उपचार उपलब्ध कराने वाली गोल्डन कार्ड योजना के लिए 125 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वहीं चिकित्सा शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए भी करीब 160 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह धनराशि पिथौरागढ़ और रुद्रपुर मेडिकल कॉलेजों सहित नर्सिंग कॉलेजों से संबंधित कार्यों पर खर्च की जाएगी।



हमारी सरकार का संकल्प है कि उत्तराखंड के हर क्षेत्र तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचें और प्रदेश के युवाओं को चिकित्सा शिक्षा के अधिक से अधिक अवसर मिलें। बीते पांच वर्षों में तीन नए मेडिकल और तीन नर्सिंग कॉलेज शुरू करना इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अटल आयुष्मान और गोल्डन कार्ड योजनाओं के माध्यम से कैशलेस उपचार सुनिश्चित करने के साथ चिकित्सा संस्थानों के बुनियादी ढांचे को भी मजबूत किया जा रहा है।

पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

इगास के रंग में रंगे सूचना महानिदेशक व उपाध्यक्ष MDDA बंशीधर तिवारी, पहाड़ी गीतों पर जमकर थिरके



देहरादून (नि०स०)। उत्तराखंड की लोक संस्कृति और परंपराओं के प्रति प्रेम जब व्यवहार में दिखाई देता है, तो वह लोगों के लिए एक खूबसूरत संदेश बन जाता है। कुछ ऐसा ही नजारा देहरादून में आयोजित इगास बग्वाल के विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम में देखने को मिला। दीपावली के 11 दिन बाद मनाए जाने वाले उत्तराखंड के पारंपरिक लोकपर्व इगास के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सूचना महानिदेशक व उपाध्यक्ष MDDA बंशीधर तिवारी पूरी तरह पहाड़ी रंग में रंगे नजर आए। देहरादून बंजारावाला के गंगोत्री विहार में आयोजित कार्यक्रम में पारंपरिक लोकगीतों की धुन गूंजी तो बंशीधर तिवारी खुद को थिरकने से नहीं रोक पाए। उन्होंने पहाड़ी गीतों पर जमकर नृत्य किया और कार्यक्रम में मौजूद लोगों का उत्साह बढ़ाया। इस दौरान भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने भी उनके साथ कदम से कदम मिलाए। बंशीधर तिवारी की यह सहज सहभागिता कार्यक्रम का खास आकर्षण रही। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि रोजगार और बेहतर अवसरों की तलाश में भले ही उत्तराखंड के लोग देश-दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में पहुंच गए हों, लेकिन अपनी संस्कृति, सभ्यता और जड़ों से जुड़े रहना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि इगास जैसे लोकपर्व हमारी सांस्कृतिक पहचान हैं। ऐसे आयोजन न केवल हमारी परंपराओं को जीवंत रखते हैं, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी विरासत से परिचित कराने और समाज में आपसी मेलजोल बढ़ाने का भी काम करते हैं।

बंशीधर तिवारी की लोकगीतों पर थिरकती तस्वीरें और उनकी सांस्कृतिक सहभागिता ने एक खूबसूरत संदेश दिया कि अपनी संस्कृति को बचाने के लिए जरूरी है कि हम उस पर गर्व भी करें और उसे अपने जीवन का हिस्सा भी बनाएं।

जौलजीबी मेले में कांग्रेस विधायक की गुंडागर्दी और हंगामा, बेहद शर्मनाक : भाजपा

देहरादून (नि०स०)। भाजपा ने जौलजीबी मेले में कांग्रेस विधायक द्वारा की गई गुंडागर्दी और हंगामे की कड़ी आलोचना करते हुए इसे शर्मनाक हरकत बताया है। प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट ने कहा कि चुनाव से पहले कांग्रेस का असली अराजक चेहरा एक बात फिर जनता के सामने आ गया है। पुनः साबित हुआ है कि जनता दी गई 10 वर्ष की सजा के बाद भी कांग्रेस के विधायकों नेताओं की हिंसक एवं अलोकतांत्रिक प्रवृति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ये देवभूमि की जनता और उनकी चुनी हुई सरकार है, ऐसी कोई गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी, कानूनी और लोकतान्त्रिक तरीके से कांग्रेस को करारा जवाब मिलेगा। उन्होंने मीडिया के माध्यम से सामने आई कांग्रेस विधायक की मारपीट, गुंडागर्दी, हंगामे और अमर्यादित को बेहद शर्मनाक और नैतिकहीनता की पराकाष्ठा बताया। अपनी प्रतिक्रिया में उन्होंने कहा कि ये कांग्रेस पार्टी का असली अपराधिक एवं अलोकतांत्रिक चेहरा बताया है। दरअसल विपक्षी विधायक एवं नेता, डबल इंजन सरकार के विकास कार्यों और मुख्यमंत्री श्री पुष्कर धामी की लोकप्रियता से बौखलाये हुए हैं। यही वजह है कि वे लगातार झूठ, भ्रम, अफवाह और अराजक राजनीति कर राज्य का माहौल खराब करने की कोशिश में हैं। लेकिन प्रदेश की जागरूक एवं जिम्मेदार जनता और उनकी चुनी सरकार के चलते, उनकी सारी कोशिशें असफल साबित हो रही हैं। ऐसे में अब जब चुनाव होने वाले हैं और जनता के सामने परीक्षा का समय आ गया है तो कांग्रेस में हताशा एवं निराशा आना स्वाभाविक है। उन्होंने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से भी अपील की कि यदि थोड़ी सी नैतिकता एवं साहस उनमे शेष है तो वे तत्काल अपने विधायक पर कार्रवाई करें। क्योंकि बाद में पछताना नहीं, क्योंकि जनता ने तो लोकतान्त्रिक तरीके से उन्हें सबक सिखाने का मन बनाया हुआ है। जो शर्मनाक और अपराधिक कृत्य कांग्रेस विधायक द्वारा किया गया, उसपर कानूनी कार्रवाई तो होनी ही है। लेकिन प्रदेश की जनता भी उन्हें आने वाले चुनावों में करारा सबक सिखाएगी।

वहीं उन्होंने कहा कि जनता, कांग्रेस विधायकों एवं नेताओं की गुंडागर्दी, बहिन बेटियों के साथ अन्याय, जातिवादी झूठ की राजनीति, तुष्टिकरण नीति का समर्थन को देख रही है। और कांग्रेस की ये सब अराजक एवं आपराधिक कृत्य तब हो रहे हैं, जब ये विगत 10 वर्ष से सत्ता से बाहर हैं। जनता देख और समझ रही है कि यदि ये लोग सरकार में होते तो उनका इससे भी ख़ौफ़नाक चेहरा सामने आता। इस घटना ने एक बार फिर दर्शाया है कि एक तरफ विकास और संस्कृति को संजोने वाली भाजपा सरकार है और दूसरी तरफ विनाश एवं षड्यंत्र की नकारत्मक राजनीति करने वाली विपक्षी पार्टियां हैं।

हल्द्वानी सामूहिक दुष्कर्म मामले पर कांग्रेस आक्रामक, हरक सिंह रावत ने उठाए कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल



देहरादून (नि०स०)। हल्द्वानी के मुखानी थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले ने अब राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। शनिवार को देहरादून स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री और प्रदेश कांग्रेस चुनाव प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष डॉ. हरक सिंह रावत ने राज्य की कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने इस घटना को बेहद शर्मनाक बताते हुए पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच की मांग की है।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए डॉ. हरक सिंह रावत ने घटना के तथ्यों को सामने रखा और प्रशासनिक लापरवाही की ओर इशारा किया। पुलिस की कार्रवाई का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि इस मामले में चार युवकों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें धीरज बिष्ट, नितिन पाल, अंश खत्री और हिमांशु गोनी के नाम शामिल हैं। रावत ने इस बात पर जोर दिया कि आरोपियों में शामिल धीरज बिष्ट पूर्व में एबीवीपी (ABVP) के प्रत्याशी के रूप में एमबीपीजी (MBPG) कॉलेज से छात्रसंघ अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ चुका है। दरअसल, यह पूरी घटना हल्द्वानी के कटघरिया क्षेत्र स्थित होटल त्रिशूल से जुड़ी बताई जा रही है। इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए हरक सिंह रावत ने कहा, 'नाबालिगों को बिना किसी वैध पहचान पत्र और उचित सत्यापन के होटल में कमरा कैसे उपलब्ध कराया गया, यह एक बहुत बड़ा सवाल है।' उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल आरोपियों की गिरफ्तारी कर लेना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि इस पूरे प्रकरण में होटल प्रबंधन की भूमिका की भी गहन जांच होनी चाहिए। यदि छात्र राजनीति से जुड़े किसी भी व्यक्ति पर इतने गंभीर अपराध के आरोप लगते हैं, तो बिना किसी दबाव के निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। इस संवेदनशील मामले को लेकर कांग्रेस ने राज्य सरकार और प्रशासन के समक्ष अपनी प्रमुख मांगें रखीं। पार्टी का कहना है कि हल्द्वानी की इस घटना की समयबद्ध जांच कर दोष सिद्ध होने पर आरोपियों को कठोरतम कानूनी सजा दिलाई जाए। इसके साथ ही, नाबालिग पीड़िता और उसके परिवार को तत्काल सुरक्षा, कानूनी सहायता और उचित मनोवैज्ञानिक सहयोग उपलब्ध कराया जाए।

असल में, कांग्रेस नेताओं ने इस बात पर भी विशेष जोर दिया कि कानूनी प्रक्रिया के दौरान पीड़िता की पहचान और निजता की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। पार्टी ने मांग की है कि किसी भी राजनीतिक, छात्र या सामाजिक संगठन से जुड़े व्यक्ति को कानून से ऊपर न माना जाए। इसके अलावा, भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पूरे प्रदेश के होटलों और गेस्ट हाउसों में पहचान सत्यापन तथा आगंतुक रिकॉर्ड से जुड़े नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए। पत्रकार वार्ता में मौजूद एनएसयूआई (ह्स्ट्ढ) के प्रदेश अध्यक्ष विकास नेगी ने भी राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि उनका सवाल किसी एक संगठन या विचारधारा से नहीं, बल्कि उस मानसिकता और व्यवस्था से है जिसमें अपराधियों के मन में कानून का भय समाप्त हो गया है। विकास नेगी ने कहा, 'हमारी बहन-बेटियों की सुरक्षा राजनीतिक बयानबाजी का विषय नहीं, बल्कि सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उत्तराखंड की जनता यह जानना चाहती है कि सरकार महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा के लिए वास्तव में क्या ठोस कदम उठा रही है।' उन्होंने आगे कहा कि केवल जीरो टॉलरेंस के दावे करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि यह नीति जमीन पर भी दिखाई देनी चाहिए।

सम्पादन मण्डल

समाचार सम्पादक: डॉ. वी.डी. शर्मा
संवाददाता: रजत शर्मा
संरक्षक सलाहकार: डा. अश्विनी काम्बोज
कानूनी सलाहकार: यशस्वी शर्मा (एड.)
अश्वनी मुद्गल (एड.)

देवपथ

हिन्दी सांध्य संस्करण

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक श्रीमती सुषमा शर्मा के लिए अभिप्रेरणा प्रिंटर्स, बंजारावाला (कारगी), देहरादून (उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं बंजारावाला (कारगी), देहरादून (उत्तराखण्ड) प्रकाशित।

सम्पादक : रामेश्वर दत्त शर्मा

नोट:- मुद्रित सामग्री के लिए प्रेस उत्तरदायी नहीं है। वाद-विवाद का क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा।

मोबाईल: 9358129177, 9557316580